केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार
बहुत ज्यादा सोचना भी एक रोग है, जो इस रोग से मुक्त है, वे स्वस्थ है, वे धन्य है

वर्ष : 17 अंक : 15 | उज्जैन, गुरुवार 25 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

ईश्वर या सत्यनिष्ठा के अलावा किसी अन्य नाम पर ली गई शपथ अमान्यः केरल हाई कोर्ट

तिरुवनंतपुरम/ जीएनएस। केरल हाई कोर्ट ने लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा को सर्वोपरि रखते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा कानूनन तय प्रारूप से हटकर ली गई कोई भी शपथ कानूनी रूप से मान्य नहीं होगी। जस्टिस पी.वी. कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने तिरुअनंतपुरम निगम के 20 भाजपा पार्षदों और पलक्कड़ जिले के एक पंचायत सदस्य की शपथ को अमान्य घोषित कर दिया है। इन सदस्यों ने ईश्वर या सत्यनिष्ठा के निर्धारित शब्दों के बजाय स्थानीय देवी-देवताओं, भारत माता, राजनीतिक आंदोलनों में प्राण गंवाने वाले अपने नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर शपथ ली थी। कोर्ट ने भावपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि शपथ केवल एक रस्म नहीं, बल्कि जनता के प्रति एक पवित्र वादा है कि जनप्रतिनिधि संविधान और कानून के शासन को बनाए रखेगा। भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने और महान संत श्री नारायण गुरु के संदेशों का स्मरण कराते हुए कोर्ट ने कहा कि नागरिक किसी भी रूप में ईश्वर को मानने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन जब बात कानून की स्थापित प्रक्रिया की हो, तो उसमें अपनी तरफ से नए शब्द जोड़ना या बदलाव करना स्वीकार्य नहीं है। आइएएनएस के अनुसार, इस कानूनी चूक के बावजूद, कोर्ट ने जनता के लोकतांत्रिक जनादेश का पूरा सम्मान किया है। कोर्ट ने पार्षदों के चुनाव को रद करने से इन्कार करते हुए उन्हें अपनी गलती सुधारने का एक और मौका दिया है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इन सभी प्रभावित जनप्रतिनिधियों के लिए आगामी चार हफ्तों (एक महीने) के भीतर कानून के दायरे में दोबारा शपथ लेने की व्यवस्था की जाए। चूंकि इन सदस्यों ने ऐसा जानबूझकर नहीं बल्कि कानूनी वैधता के विश्वास में किया था, इसलिए उन पर कोई जुर्माना या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इस फैसले में तिरुअनंतपुरम के पार्षदों और ग्राम पंचायत सदस्य के बीच एक तकनीकी अंतर भी सामने आया। केरल नगर पालिका अधिनियम की धारा 531 के तहत तिरुअनंतपुरम के भाजपा पार्षदों द्वारा अब तक किए गए सभी प्रशासनिक कार्यों को कानूनी सुरक्षा प्रदान की गई है, यानी उनके कार्य वैध रहेंगे। दूसरी ओर, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के सदस्य के मामले में पंचायत राज अधिनियम के तहत ऐसी कोई सुरक्षात्मक धारा न होने के कारण, उनके द्वारा अब तक किए गए कार्यों को अमान्य करार दिया गया है। बहरहाल, दोबारा शपथ लेने के बाद वे सभी सामान्य रूप से अपनी सेवाएं जारी रख सकेंगे। यह ऐतिहासिक निर्णय याद दिलाता है कि जनभावनाओं का सम्मान करते हुए भी कानून की तय मर्यादा को लांघा नहीं जा सकता।

उद्धव ठाकरे को लग सकता है एक और झटका...

नई दिल्ली/ जीएनएस। उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। एक तरफ पहले जहां लोकसभा सांसदों ने शिवसेना का दामन छोड़ा और एकनाथ शिंदे गुट में जाकर मिल गए। वहीं अब उद्धव ठाकरे को एक और झटका लगने वाला है। शिवसेना से संसद परिसर में मिला ऑफिस लिया जा सकता है। इसका मतलब ये होगा कि शिवसेना के पास संसद में अपना पार्टी ऑफिस नहीं होगा। शिवसेना जो अभी भी अपने छह लोकसभा सांसदों की बगावत से उबरने की कोशिश कर रही है, उसे एक और झटका लग सकता है। इस बात की पूरा अनुमान है कि पार्टी संसद परिसर में उसे मिला ऑफिस खो सकती है। शिवसेना के छह लोकसभा सांसदों ने एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया और सत्ताधारी पार्टी के साथ गठबंधन में शामिल हो गए। वहीं एक बार जब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला औपचारिक रूप से इस विलय को मंजूरी दे देंगे, तो शिवसेना संसदीय दल में केवल चार सांसद ही रह जाएंगे। आमतौर पर संसद भवन में उन्हीं राजनीतिक पार्टियों को ऑफिस की जगह दी जाती है जिनके पास पांच या उससे ज्यादा सांसद होते हैं।

सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने की जरूरत, हर नागरिक बने डिजिटली जागरूक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सायबर सुरक्षा के 3 सूत्र अपनाएं- जागरूकता, सावधानी और सहभागिता

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सायबर खतरा एक ऐसा अदृश्य दुश्मन है , जो बिना दस्तक दिए हमारे घरों तक पहुंच रहा है। सायबर खतरों को समझना ही उनसे बचने का सबसे बड़ा रास्ता है। सावधानी ही सुरक्षा है और जानकारी ही बचाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट, डीप-फेक, फेक प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन शॉपिंग ठगी, रैनसमवेयर हमले और फर्जी निवेश लिंक जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की जनता को सायबर सुरक्षा के तीन महत्वपूर्ण सूत्र %जागरूकता, सावधानी और सहभागिता% के बारे में बताकर कहा कि जो लोग सायबर सुरक्षा की जानकारी रखते हैं, वे दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित 'राज्य व्यापी सायबर जागरूकता अभियान' के तहत सेफ क्लिक 2.0%% के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह अभियान 24 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक प्रदेश के 10 संभाग, 55 जिलों और 50 हजार से अधिक गांव में एक साथ चलेगा। इस अभियान के तहत सायबर ठगी और अन्य अपराधों से बचने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सायबर जागरूकता अभियान के पोस्टर, स्कूली बच्चों के लिए तैयार की गई सायबर जागरूकता बुकलेट्स तथा अभियान के ऑफिशियल वीडियो का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सायबर जागरूकता रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। समापन पर प्रतीक चिन्ह प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभियान के संचालन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि संकट के समय मध्यप्रदेश पुलिस हमेशा संकटमोचक हनुमान की भूमिका में रहती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में विभिन्न सायबर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से 33 लाख से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया। अब अभियान का विस्तार पंचायतों, स्कूलों, बैंकों, बाजारों, धार्मिक स्थलों और सरकारी कार्यालयों तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के 56 विभागों की लगभग 1700 सेवाएं एकीकृत पोर्टल पर उपलब्ध हैं और इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से सायबर सुरक्षा को जन आंदोलन का रूप देने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में सायबर खतरे अदृश्य रूप में हमारे जीवन में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और कंप्यूटर के माध्यम से होने वाले सायबर अपराधों से बचाव के लिए सावधानी और जागरूकता ही सबसे प्रभावी हथियार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायबर अपराधों के प्रति प्रदेशवासियों को जागरुक करने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस का सेफ क्लिक 2.0 सायबर जागरूकता अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अभियान से प्रदेश के सभी नागरिक जागरूक होंगे। उन्होंने कहा कि सायबर अपराधी एक प्रकार से डिजिटल दौर के राक्षस हैं, जो दबे पाँव लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल के जरिए हमारे साथ सेंधमारी और डकैती करते हैं। आजकल डिजिटल अरेस्ट, डीप फेक, डेटा ब्रीजिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, रेनसमवेयर अटैक जैसे अनेक प्रकार के सायबर अपराध संचालित हैं। लेकिन सायबर अपराधों के मामले में सावधानी ही बचाव है। मध्यप्रदेश पुलिस ने देश में पहली बार सायबर डकैती का लाइव पर्दाफाश किया था। इसके लिए मध्यप्रदेश पुलिस बधाई की पात्र है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश पुलिस ने पिछले वर्ष अपने सायबर जागरुकता अभियान के माध्यम से लगभग 33 लाख से अधिक नागरिकों को सतर्क किया था। इस वर्ष 15 दिन तक चलने वाले सेफ क्लिक 2.0 अभियान में हर दिन अलग थीम रखी गई है।

कुमार भास्कर वर्मा ब्रिज पर बर्डथे मनाने वालों को पुलिस ने सिखाया सबक, केस दर्ज कर सीज की लग्जरी गाड़ियां

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर बना कुमार भास्कर वर्मा ब्रिज पर देर रात जन्मदिन मनाने के एक कार्यक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है।

इस घटना की वजह से लोगों की सुरक्षा और एक जरूरी ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के गलत इस्तेमाल को लेकर तीखी आलोचना हो रही है।

बता दें कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बना यह छह लेन का सड़क पुल है। यह गुवाहाटी को उत्तरी गुवाहाटी से जोड़ता है, जिससे नॉर्थ-ईस्ट भारत में परिवहन और क्षेत्रीय संपर्क में काफी सुधार होता है।

वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ विवाद- यह विवाद तब शुरू हुआ जब 22 जून की सुबह-सुबह ब्रिज पर लोगों के एक ग्रुप ने जमा होने का वीडियो सामने आया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने सड़क के एक हिस्से को गुब्बारों और पार्टी के दूसरे सामान से सजाया था और जश्न के दौरान गाड़ियां सीधे ब्रिज पर ही खड़ी कर दी थीं।

पुलिस ने केस दर्ज किया- वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी और पता लगाया कि जन्मदिन की पार्टी नॉर्थ गुवाहाटी के रहने वाले गौतम बोरुआ ने अपनी पत्नी कराबी बोरुआ के 42वें जन्मदिन के लिए आयोजित की थी। जांच में पता चला कि यह जमावड़ा रात करीब 12.10 बजे हुआ था और इसमें कई दोस्त और परिचित शामिल थे। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने और सार्वजनिक आवागमन में बाधा डालने के कृत्यों के लिए मामला दर्ज किया है।

राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाई जाएंगी 595 अनधिकृत पार्किंग, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर NHAI का एक्शन

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय राजमार्गों पर यहां-वहां खड़े वाहन अक्सर गंभीर हादसों का कारण बनते हैं। ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए ही सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण चिह्नित कर उन्हें हटाने का आदेश दिया था। उसके पालन में अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अभियान शुरू किया है।

उसने देशभर में मुख्यतः 595 अनधिकृत पार्किंग स्थलों को चिह्नित किया है और राज्य सरकारों के साथ मिलकर इनके विरुद्ध कार्रवाई शुरू की है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्गों को स्थायी रूप से अतिक्रमणमुक्त और सुरक्षित बनाए रखने के लिए जिला राजमार्ग सुरक्षा कार्यबल गठित करने भी तैयारी है। ह्मढ्ढ के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर अतिक्रमण और अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए सड़क सुरक्षा बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अनधिकृत पार्किंग, सड़क किनारे अतिक्रमण और ऐसी अन्य गतिविधियां यात्रियों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करती हैं। इससे यातायात भी बाधित होता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए NHAI ने विभिन्न राज्यों में अनधिकृत पार्किंग के 595 महत्वपूर्ण स्थानों को चिह्नित किया है और इन्हें हटाने के लिए राज्य सरकारों, जिला प्रशासनों और प्रवर्तन एजेंसियों के साथ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा संस्थागत समन्वय को और मजबूत करने के लिए NHAI जिला राजमार्ग सुरक्षा कार्य बल की भी स्थापना करने जा रहा है।

शव देखकर सिया के चेहरे पर नहीं थी कोई शिकन, केतन अग्रवाल के पिता का फूटा गुस्सा; बताया कैसे हुआ शक?

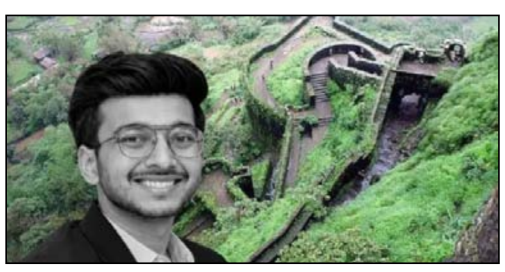

नई दिल्ली/ जीएनएस। पुणे के पास पिंपरी-चिंचवड़ के एक बड़े कारोबारी परिवार की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब उनके 26 वर्षीय इकलौते बेटे केतन अग्रवाल की लोहगढ़ किले की खाई में गिरने से मौत हो गई। शुरुआत में जिसे एक हादसा समझा जा रहा था, वह असल में एक सोची-समझी खौफनाक हत्या निकली।

इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने का आरोप किसी और पर नहीं, बल्कि केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर लगा है। पुलिस जांच में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। अब इस मामले में केतन अग्रवाल के परिजनों का बड़ बयान सामने आया है। मामले में केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने बताया कि शुरुआत में वे इसे एक दुर्घटना ही मान रहे थे। लेकिन जब पुलिस केतन का शव लेकर आई, तो सिया के चेहरे पर न तो कोई शिकन थी और ना ही कोई दुख। सिया के इस ठंडे बर्ताव ने परिवार के मन में शक पैदा किया।

केतन के पिता ने कहा कि ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल के नेतृत्व में पुलिस ने मुस्तैदी से जांच की और जल्द ही सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

अगर शादी नहीं करनी थी, तो मना कर देती पीड़ित परिवार का फूटा दर्द- जवान बेटे के साथ ऐसा दिल दहला देने वाली घटना के बाद केतन का परिवार गहरे सदमे और गुस्से में है। केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि अगर वह शादी नहीं करना चाहती थी, तो सीधे मना कर देती। हम तुरंत शादी रोक देते। किसी के 26 साल के बेटे को इस तरह मार देना, यह कैसी क्रूर मानसिकता है? समाज को इस पर सोचना चाहिए कि ऐसी परवरिश और विचारधारा कहां से आती है।

वहीं दूसरी ओर केतन के दादा का कहना है कि हम लड़की के परिवार को पिछले 35 सालों से जानते हैं। सिया के चाचा और चाची को उसके और चेतन के अफेयर के बारे में सब पता था, फिर भी उन्होंने इस रिश्ते के लिए दबाव बनाया। उन्होंने हमारे साथ ऐसा क्यों किया?

एअर इंडिया की दिल्ली-अमृतसर उड़ान गलती से पाकिस्तानी एयरस्पेस में दाखिल, जांच के आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। एअर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट AI479 के क्रू ने मैन्यूवर के दौरान पाकिस्तान के एयरस्पेस में गलती से चला गया।

एयरलाइन ने बताया कि दिल्ली से पंजाब के अमृतसर जा रही एअर इंडिया की एक फ्लाइट 22 जून को अमृतसर एयरपोर्ट पर गो-अराउंड मैन्यूवर करते समय कुछ समय के लिए पाकिस्तान के एयर स्पेस में चली गई थी।

मैन्यूवर के दौरान पाकिस्तान एयर स्पेस में घुसा विमान- शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को शुरू में 13 DME पर होल्ड करने का निर्देश दिया था। हालांकि, यह्र क्रकी ओर बढ़ता रहा, बाईं ओर मुड़ा और इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर गया, जिससे यह कुछ देर के लिए पाकिस्तान के एयरस्पेस में चला गया। मैन्यूवर के दौरान विमान ATC के निर्देशों का पालन नहीं कर पाया और बाद में बॉर्डर पार कर गया। एअर इंडिया ने आगे कहा कि इस घटना की जानकारी संबंधित रेगुलेटरी अथॉरिटीज को दे दी गई है और इसकी आंतरिक जांच की जा रही है।

भारत आएंगी जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची, असम की बजाय नई दिल्ली में होगा भारत-जापान शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली/ जीएनएस। अगले भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी अब असम के गुवाहाटी के बजाय नई दिल्ली में की जाएगी।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के व्यस्त कार्यक्रम और यात्रा संबंधी व्यवस्थागत चुनौतियों के कारण यह फैसला लिया गया है। ताकाइची एक से तीन जुलाई तक भारत दौरे पर रहेंगी। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी।

नई दिल्ली में होगा भारत-जापान शिखर सम्मेलन- भारत ने शुरुआत में इस शिखर सम्मेलन को गुवाहाटी में आयोजित करने की तैयारी की थी। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास और भारत-जापान सहयोग में इस क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करना था। हालांकि, जापानी प्रधानमंत्री की घरेलू जिम्मेदारियों, विशेष रूप से जापानी संसद के चल रहे सत्र के कारण उनके भारत दौरे की अवधि सीमित है।

ऐसे में दिल्ली से बाहर यात्रा करना व्यावहारिक रूप से कठिन माना गया। सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली में सम्मेलन आयोजित होने से दोनों देशों को कुछ अतिरिक्त कार्यक्रम शामिल करने का अवसर मिलेगा, जिनसे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2019 में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन गुवाहाटी में प्रस्तावित था, लेकिन नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में हुए प्रदर्शनों के कारण उसे रद्द कर दिया गया था। पिछले वर्ष अगस्त में प्रधानमंत्री मोदी जापान गए थे, जहां वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था।

65 हस्तियों को पद्म पुरस्कार- राष्ट्रपति ने रोहित शर्मा को पद्मश्री तो अलका याग्निक पद्म भूषण से किया सम्मानित

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी विजय अमृतराज, क्रिकेटर रोहित शर्मा, अभिनेताओं सतीश शाह व ममूटी और पार्श्व गायिका अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित समारोह में इन हस्तियों को सम्मानित किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस केटी थॉमस को जन-सेवा के लिए और मलयालम पत्रकार पी नारायणन को साहित्य व शिक्षा में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

अलका याग्निक, ममूटी, अमेरिकी कैंसर रोग विशेषज्ञ दत्तात्रेयूडु नोरी, विजय अमृतराज, उद्योगपति एसकेएम मैइलानंदन और सामाजिक कार्यकर्ता व शिक्षाविद वेल्लापल्ली नटेसन ने राष्ट्रपति के हाथों पद्म भूषण पुरस्कार ग्रहण किया। जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के दिवंगत संस्थापक शिबू सोरेन का पद्म भूषण पुरस्कार उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने प्राप्त किया। रूपी सोरेन व्हीलचेयर पर पहुंची थीं। राष्ट्रपति ने मंच से उतरकर उन्हें पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने रोहित शर्मा और हॉकी खिलाड़ी सविता पूनिया को पद्मश्री से सम्मानित किया। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 का टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था।

सुशील कुमार, योगेश्वर दत्त और रवि दहिया जैसे भारतीय ओलिंपिक पदक विजेताओं के मेंटर रहे जार्जियाई कोच व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली को मरणोपरांत पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी ने यह सम्मान प्राप्त किया। राष्ट्रपति ने अभिनेता सतीश शाह को मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया। उनकी ओर से उनके भाई ने यह सम्मान ग्रहण किया। प्रसार भारती के पूर्व सीईओ शशि शेखर वेम्पति को भी पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वह इस समय सीबीएफसी के चेयरमैन हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कांग्रेस के आरोपों पर दी कड़ी प्रतिक्रिया

मोहन सरकार पारदर्शिता, सुशासन और विकास के एजेंडे पर प्रतिबद्धता के साथ कर रही कार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह से तथ्यहीन, निराधार और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके नेता प्रदेश में लगातार भ्रम और अविश्वास का वातावरण पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उनके आरोपों में रत्तीभर भी सच्चाई नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रस्तुत किए गए शपथ-पत्र में उनके नाम पर 17 एकड़ भूमि का उल्लेख किया गया था और वर्ष 2026 तक इसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इसी प्रकार उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव के नाम दर्ज 12.29 एकड़ भूमि में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री के पुत्र श्री वैभव यादव के नाम वर्ष 2023 से पूर्व जो 16 एकड़ भूमि थी, उसमें भी मुख्यमंत्री बनने के बाद किसी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई है। यह सभी भूमि मास्टर प्लान लागू होने से पहले से उनके नाम पर है। पुत्र वधू श्रीमती शालिनी यादव द्वारा वर्ष 2025 में खरीदी गई 10 एकड भूमि मास्टर प्लान क्षेत्र के बाहर है, जो विकसित या व्यावसायिक क्षेत्र में नहीं आती है। मुख्यमंत्री के रिश्तेदार अपने-अपने व्यवसाय एवं आर्थिक गतिविधियां स्वतंत्र रूप से संचालित करते हैं। उनके किसी भी निजी लेन-देन या व्यवसाय को मुख्यमंत्री से जोड़ना तथात्मक रूप से गलत है। उज्जैन मास्टर प्लान-2035 डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने से पहले लागू हो चुका था। यह मास्टर प्लान मई 2023 से प्रभावशील है, जबकि डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसंबर 2023 को मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभाला है। सड़क, हाईवे या विकास योजनाओं को मुख्यमंत्री बनने के बाद विशेष रूप से प्रभावित करने का कांग्रेस का आरोप निराधार है। सभी विकास कार्य लागू मास्टर प्लान के अनुसार ही हो रहे हैं।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव से वर्तमान में कम हुई है जमीन- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा जिस सिद्धिविनायक कंपनी का उल्लेख किया जा रहा है, उसके पास वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के समय लगभग 68 एकड़ भूमि थी, जो वर्तमान में घटकर लगभग 65 एकड़ रह गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्ष 2017 में ही उक्त कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे चुके थे, इसलिए कंपनी की वर्तमान गतिविधियों से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आरोपों में जिन रिश्तेदारों का उल्लेख किया गया है, उनका मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अथवा उनके परिवार से कोई लेना-देना नहीं है। उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उनके संबंध में भी कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों में गंभीर विसंगतियां हैं और संबंधित पक्ष स्वयं अपना पक्ष रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

मुख्यमंत्री की लोकप्रियता और विकासोन्मुखी नेतृत्व से कांग्रेस घबराई हुई है- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की लोकप्रियता और विकासोन्मुखी नेतृत्व से कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बौखलाई हुई है। निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और मध्यप्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जिस प्रकार संवेदनशीलता के साथ निरंतर कार्य किया जा रहा है, उससे आने वाले दिनों में मध्यप्रदेश में कांग्रेस का कोई नाम लेने वाला नहीं बचेगा। विकास के मुद्दे पर मुकाबला नहीं कर पाने के कारण कांग्रेस षड्यंत्र और दुष्प्रचार का सहारा ले रही है।

पिछड़े वर्ग के नेतृत्व को कमजोर करने का षड्यंत्र कर रही कांग्रेस- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा मध्यप्रदेश में भाजपा द्वारा पिछड़े वर्ग को दिए गए प्रतिनिधित्व व नेतृत्व को कमजोर करने का षड्यंत्र किया जा रहा है। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब-जब प्रदेश को पिछड़े वर्ग से नेतृत्व मिला है, तब-तब उसे कमजोर करने और बदनाम करने के सुनियोजित प्रयास हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती, श्री शिवराज सिंह चौहान हों या वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

कांग्रेस के नेताओं को पिछड़े वर्ग का नेतृत्व कभी स्वीकार नहीं हुआ। समाज के स्वयंभू ठेकेदार लगातार ऐसे नेताओं के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास करते रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री खण्डेलवाल ने कांग्रेस नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि जनता के बीच विकास और जनकल्याण के मुद्दों पर पराजित होने के बाद कांग्रेस अब झूठ और दुष्प्रचार का सहारा लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश की जनता कांग्रेस की इस साजिश को भली-भांति समझती है और आगामी चुनावों के दौरान करारा जवाब देगी।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए इंदौर पुलिस का जनजागरूकता अभियान शुरू

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार प्रदेशव्यापी SAFE CLICK-2026 साइबर जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इस अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से की गई, जिसमें इंदौर से पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में अभियान का आगाज़ साइबर जागरूकता संदेशों वाले पोस्टर, बैनर और पेम्पलेट्स के विमोचन के साथ किया गया। यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराध लगातार नए-नए स्वरूपों में सामने आ रहे हैं और इनसे बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम जागरूकता है। उन्होंने नागरिकों से स्वयं साइबर सुरक्षा संबंधी सावधानियां अपनाने तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए तरीकों से बचाव के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग तक जागरूकता पहुंचाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से आगामी 15 दिनों तक व्यापक स्तर पर विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इंदौर ग्रामीण पुलिस द्वारा 'सेफ क्लिक 2.0' का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर ग्रामीण पुलिस द्वारा सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। बंसल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में एक हजार से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कॉलेज स्टाफ ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया ठगी, बैंकिंग फ्रॉड तथा ओटीपी फ्रॉड जैसे अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में जागरूकता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है और प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क एवं जिम्मेदार रहना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक युवा साइबर सुरक्षा का संदेश अपने आसपास के लोगों तक पहुंचाए तो साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक श्री उमाकांत चौधरी ने साइबर अपराधों की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करना चाहिए तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर वॉरियर बनकर समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

उप पुलिस अधीक्षक श्री नितिन सिंह ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, जिम्मेदार नागरिक कर्तव्यों तथा साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का विशेषज्ञों ने समाधान किया तथा सभी प्रतिभागियों ने साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ ली।

कार्यक्रम के बाद पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा ने साइबर एवं यातायात जागरूकता के लिए तैयार विशेष जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर महू क्षेत्र के लिए रवाना किया। यह रथ महू एवं आसपास के क्षेत्रों में साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया अपराधों तथा यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करेगा। साथ ही नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर निगम की सख्त कार्रवाई, 18 कोचिंग, लाइब्रेरी, होटल और भवन सील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिक निगम इंदौर द्वारा सघन जांच अभियान लगातार जारी है। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार निगम के फायर विभाग एवं भवन अनुज्ञा शाखा की संयुक्त टीम द्वारा अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले संस्थानों और भवनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह ने बताया कि नगर निगम द्वारा अब तक अग्नि सुरक्षा नियमों की अवहेलना करने वाले 151 भवनों को सील किया जा चुका है। इसी क्रम में बुधवार को शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी, होटल एवं औद्योगिक भवनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें अग्नि सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां पाए जाने पर 18 संस्थानों और भवनों को सील करने की कार्रवाई की गई।

निरीक्षण के दौरान कई संस्थानों में फायर फाइटिंग सिस्टम, अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित संस्थानों को सील कर दिया तथा आवश्यक अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्रवाई के तहत चैंपियन कोचिंग एवं लाइब्रेरी, सीएमसी कोचिंग, ए-1 बैंकिंग क्लासेस, सागर यादव क्लासेस, योर साइलेंस लाइब्रेरी, विनर्स इंस्टीट्यूट, एक्सीलेंस लाइब्रेरी, स्वाध्याय लाइब्रेरी, होटल आरव, स्वराज लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी, साई लाइब्रेरी, सर्वज्ञान लाइब्रेरी, विद्या लाइब्रेरी, इन्फोटेक लाइब्रेरी, द अचीवर क्लासेस और सांवरिया लाइब्रेरी सहित पोलो ग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र के छह भवनों को सील किया गया।

नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और भवन संचालकों द्वारा सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध आगे भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने सभी भवन स्वामियों और संस्थान संचालकों से अपील की कि वे अपने परिसरों में निर्धारित अग्नि सुरक्षा उपकरणों एवं व्यवस्थाओं को अनिवार्य रूप से स्थापित करें तथा उनका नियमित रखरखाव सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना की स्थिति में जन-धन की हानि को रोका जा सके।

बारिश का सिलसिला हुआ शुरू, बारिश के साथ ही जिले में खरीफ की बुआई का कार्य भी प्रारंभ

इस वर्ष जिले में ढ़ाई लाख हेक्टेयर रकबे में होगी खरीफ फसलों की बोनी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मंगलवार की शाम से बारिश का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। जिले में आज बुधवार की सुबह साढ़े 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में 22.4 मिलीमीटर (लगभग एक इंच) औसत वर्षा हो चुकी है। बारिश शुरू होते ही जिले में खरीफ की बुआई का कार्य भी शुरू हो गया है। जिले में वर्ष खरीफ सीजन में कुल 2 लाख 52 हजार 624 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का क्षेत्राच्छादन किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से 2 लाख 33 हजार हेक्टेयर रकबे में सोयाबीन की बोनी होगी, जो कुल क्षेत्र का लगभग 92 प्रतिशत है।

उप संचालक कृषि श्री सी. एल. केवड़ा ने बताया कि वर्ष 2026 में अल नीनो के प्रभाव के कारण मौसम विभाग ने वर्षा की अनिश्चितता की आशंका व्यक्त की है। जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक औसतन 80.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है तथा जिन क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा हुई है, वहां बोनी का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

उप संचालक कृषि ने आगामी दिनो में कम वर्षा, अतिवर्षा अथवा वर्षा की अनिश्चितता की स्थिति से निपटने के लिए किसानों को सलाह दी है, जिन्हे अपनाकर किसान अपनी फसल सुरक्षित कर उत्पादन प्राप्त कर सकते है।

बुवाई के तरीके- सूखे और जलभराव (पानी जमा होने) की स्थिति को ठीक से संभालने के लिए ब्रॉड बेड फरो या रेज़्ड बेड फरो तरीके या मशीन का इस्तेमाल करके बुवाई की जाए।

किस्मों का चुनावः- जल्दी पकने वाली सोयाबीन की किस्मों (90-95 दिनों में पकने वाली) जैसे NRC 150, NRC 165, JS 23-03, JS 23-09, JS 22-12 और JS 22-16 को प्राथमिकता दी जाए।

पौधों की सही संख्याः- प्रति हेक्टेयर 60-65 किलोग्राम बीज दर का इस्तेमाल करके पौधों की सही संख्या बनाए रखें; इसमें कतार से कतार की दूरी 45 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमी होनी चाहिए। नमी की भारी कमी (सूखे) की स्थिति में, बीज दर को सामान्य दर से 10त्न बढ़ा दें और कतारों के बीच की दूरी 30 सेमी रखें।

बीज उपचारः- बीमारी और कीटों के प्रबंधन के लिए फफूंदनाशक और कीटनाशक से बीज उपचार करने की सलाह दी गई है। किसानों से कहा गया है कि Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS @10 मिली/किग्रा बीज। फफूंदनाशक और कीटनाशक लगाने के बाद, बीज को माइक्रोबियल कंसोर्टिया (सूखे को सहने वाले नाइट्रोजन-फिक्सिंग सोयाबीन राइजोबियम *Bradyrhizobium daquingense, जिंक घोलने वाले बैक्टीरिया aryabhataii, और फास्फोरस घोलने वाले स्ट्रेन Burkholderia arboris) से उपचारित करें। इसे 10 ग्राम प्रति किग्रा बीज या 80-100 मिली लिक्विड फॉर्मूलेशन प्रति एकड़ बीज (यानी 30 किग्रा बीज) की दर से इस्तेमाल करें।

पोषक तत्व प्रबंधनः- फलियाँ बनने की अवस्था में, सोयाबीन कृषकों को सलाह दी गई है कि वे अनुशंसित बेसल उर्वरक खुराक के अलावा, क्षेत्र-विशिष्ट पोषक तत्व स्रोतों का उपयोग करके फोलियर न्यूट्रिशन (पत्तियों पर पोषक तत्वों का छिड़काव करें। मध्य क्षेत्र के लिए, DAP @ 2%, 19-19-19 (NPK) @ 2त्न, MOP ञ्च 0.5त्न, या ठ्ठ ञ्च 0.5त्न का उपयोग करें।

मल्चिंगः- जब मिट्टी की सतह सूख जाए, तो डस्ट मल्चिंग (डोरा या कुल्पा का उपयोग) या स्ट्रॉ मल्चिंग (गेहूं/सोयाबीन की फसल के अवशेष) ञ्च 5 टन/हेक्टेयर का उपयोग करें। मध्यम से गहरी काली मिट्टी में, सूखे के दौरान मिट्टी में दरारें पड़ना आम बात है; ऐसी स्थितियों में, मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए अवशेषों (फसल/खरपतवार) से मल्चिंग करके उन्हें बंद कर देना चाहिए।

जीवन-रक्षक सिंचाईः- फसल की वृद्धि के अहम चरणों-जैसे ङ्क1 चरण (बुवाई के 15-20 दिन बाद), ऋ2 चरण (पूरी तरह फूल आने पर), और ऋ5 चरण (फलियों में दाने भरने के समय) पर स्प्रिंकलर या ड्रिप सिस्टम से जीवन रक्षक सिंचाई करें। ऐसा खासकर तब करें जब इन चरणों के दौरान 10-15 दिनों तक सूखा पड़ा हो।

सूखे से निपटने के लिए फोलियर स्प्रेः- सूखे के तनाव को कम करने के लिए थायोयूरिया का 750 क्क्रू की दर से दो बार छिड़काव करें-पहला बुवाई के 20-25 दिन बाद और दूसरा 50-55 DAS पर। या फिर, फूल आने से पहले या फूल आने के दौरान (30-35 DAS) सैलिसिलिक एसिड का 100 PPM की दर से फोलियर स्प्रे करें।

अंतर-फसल अरहर के साथ 2-4 के कतार अनुपात (सोयाबीन की 4 कतारों के साथ अरहर की 2 कतारें) में अंतर-फसल पद्धति अपनाएं।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में फायर सेफ्टी मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने पोलोग्राउंड औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाकर फायर सेफ्टी नियमों का उल्लंघन करने वाले पांच औद्योगिक संस्थानों को सील कर दिया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित संस्थानों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरणों, आपातकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा निर्धारित फायर सेफ्टी मानकों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा था। सुरक्षा मानकों में गंभीर कमियां पाए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संस्थानों को सील कर दिया। कार्रवाई के तहत रौनक पेंट फैक्ट्री, स्टार पेंट, पेपर ट्रेंड लिंक प्राइवेट लिमिटेड, सारा फोम तथा वाडीलाल केमिकल को सील किया गया। इन संस्थानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमी के कारण किसी भी आपात स्थिति में जनहानि एवं बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि नागरिकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर के विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी मानकों की नियमित जांच जारी रहेगी और नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी उद्योगों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों से अपील की है कि वे निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके। जिला प्रशासन द्वारा भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण अभियान लगातार जारी रखे जाएंगे।

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) इंदौर में भव्य प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन, 120 प्रशिक्षणार्थियों का चयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) इंदौर द्वारा गत दिवस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। यह संस्थान भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश का एकमात्र केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान है, जो महिलाओं को रोजगारोन्मुखी एवं उद्योग-संगत कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए समर्पित है।

प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उद्योगों एवं प्रशिक्षुओं के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करना था। कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न ट्रेडों के लगभग 250 प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। चयन प्रक्रिया के उपरांत 120 प्रशिक्षणार्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार हेतु चयन किया गया। इस अवसर पर लगभग 15 प्रमुख कंपनियों ने भाग लेकर प्रशिक्षणार्थियों का साक्षात्कार एवं चयन किया।

यह प्लेसमेंट ड्राइव CTS एवं CITS के अंतर्गत संचालित इलेक्ट्रिशियन, सोलर टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रेस मेकिंग, फैशन डिजाइन टेक्नोलॉजी, कॉस्मेटोलॉजी सहित अन्य ट्रेडों के प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित की गई।

यह आयोजन क्षेत्रीय निदेशक आरडीएसडीई मध्य प्रदेश एवं विभागाध्यक्ष श्री अभय अरुण महिषी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन तथा प्राचार्य/उपनिदेशक सुश्री नैना नागपाल एवं राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (महिला) के सहायक निदेशक श्री गुलाब चंद्रा के निर्देशन एवं सतत प्रयासों से संपन्न हुआ। उनके मार्गदर्शन में संस्थान एवं उद्योगों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित हुआ, जिससे प्रशिक्षणार्थियों को अधिकाधिक रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।

इस अवसर पर चयनित प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए अधिकारियों ने प्लेसमेंट ड्राइव में सहभागिता करने वाली सभी कंपनियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्थान भविष्य में भी ऐसे रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों का आयोजन कर युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

मध्यप्रदेश में 'सेफ क्लिक 2026' साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से राज्य स्तरीय अभियान 'सेफ क्लिक 2026' का शुभारंभ किया गया है। वर्ष 2025 में आयोजित अभियान की सफलता के बाद इस वर्ष इसका दूसरा संस्करण 24 जून से 8 जुलाई 2026 तक पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा। राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविंद्र भवन में अभियान का शुभारंभ किया।

साइबर स्वच्छता को बढ़ावा देने पर रहेगा विशेष फोकस - इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी प्रदान करना है। अभियान के दौरान स्कूल, कॉलेज, तकनीकी संस्थान, अस्पताल, डाकघर, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, न्यायालय परिसर, बस एवं ऑटो स्टॉप, बाजार, पेट्रोल पंप, बैंक तथा धार्मिक स्थलों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नुक्कड़ नाटक, रैली, बैनर, पोस्टर एवं पंपलेट वितरण के माध्यम से आमजन को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in तथा सोशल मीडिया हैंडल CyberDost का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

आपातकाल की वर्षगांठ 25 जून...जेल में बंद 'मीसा बंदी' जेल में भी खेलते थे खेल और रेफरी होते थे गजा महाराज -रमेशचन्द्र चन्द्रे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद् एवं सामाजिक चिंतक रमेशचन्द्र चन्द्रे ने बताया कि 25- 26 जून 1975 की मध्यरात्रि को उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी को बचाने के चक्कर में संपूर्ण भारत पर आपातकाल थोंफ दिया। लोकतंत्र के सूर्य को जो ग्रहण लगा उसके बाद लंबे संघर्ष के पश्चात ही 21 जून 1977 को उसका मोक्ष हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय जनसंघ, समाजवादी पार्टी सहित उस समय के जितने भी विपक्षी दल थे, उन सबके बड़े-बड़े कार्यकर्ताओं से लेकर छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं तक को जेल के सींखचों में बंद कर दिया गया। उस समय यह भी नहीं देखा गया कि कौन वृद्ध या अति वृद्ध, कौन बीमार है? यहां तक कि नाबालिग बच्चों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

इंदौर की जेल में जितने भी बंदी थे उसमें संघ एवं जनसंघ (अब भाजपा) के साथ समाजवादी दल एवं जमायते इस्लामीक संगठन के लोग भी थे किंतु यह दोनों संगठन अलग-अलग कमरों में रहते थे। लेकिन सर्वोदयी कार्यकर्ता कभी भाजपा के साथ तो कभी उनके साथ रहा करते थे। कुछ नेता, कुछ पहलवान कुछ अपराधी अपने-अपने क्षेत्र की ख्याति के कारण भी जेल में आ गए थे।

उस समय इंदौर सेंट्रल जेल के अधीक्षक आर के सिंह बड़े ही सख्त जेलर थे तथा अच्छे व्यवहार के मामले में वह पूर्णतः कंजूस थे। राजनीतिक बंदियों के साथ भी उनका व्यवहार अच्छा नहीं होने के कारण जेल में ही मीसाबंदियों ने अच्छे भोजन, स्वच्छता, बिस्तर एवं पर्याप्त पानी की अच्छी व्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया तथा पत्र-पत्रिकाओं के लिए भी उन्हें जेल प्रशासन से संघर्ष करना पड़ा। अंततः जेल प्रशासन को झुकना पड़ा क्योंकि एक से बड़े धुरंधर आंदोलनकारियों से उनका पाला पड़ा था।

उस समय जेल में बिल्कुल अनिश्चितता का वातावरण था। यहां कब तक रहना होगा? उसका कोई अंदाज नहीं था। बाहर भी भय का वातावरण था। उसकी खबरें निरंतर जेल में आया करती थी। इस कारण सभी बंदी ऐसा मान कर चल रहे थे कि अब तो उनकी हड्डियां ही जेल के बाहर जा सकेगी। अनेक कमजोर हृदय के बंदी बहुत विद्वान होने के बाद भी कभी-कभी उनकी आंखों से आंसू निकल जाते थे।

किंतु इसी जेल में मंदसौर के श्री बसंतीलाल शर्मा गजा महाराज जो पहलवान भी थे वे भी बंदी के रूप में थे उनके साथ में कैलाशजी जोशी, वीरेंद्र जी सकलेचा, सुंदरलालजी पटवा, बाबूलालजी गौर(यह चारों मुख्यमंत्री रहे हैं) प्रसिद्ध जनसंघ नेता सत्येंद्र जी भूषण, राजनीतिक विशेषज्ञ एवं लेखक पत्रकार रमेश जी शर्मा इत्यादि अनेक ख्यातनाम लोग जिन्होंने अनाज आंदोलन से लेकर विभिन्न आंदोलन तक इंदिरा सरकार की नाक में दम करके रखा था वे सब इस जेल में बंदी थे।

वैसे तो सभी इस जेल में एक से एक विद्वान और अपने क्षेत्र में पारंगत तथा प्रसिद्धि प्राप्त लोग थे। परंतु इस अवधि में किसी के जीवन में निराश ना आए इसलिए गजा महाराज ने जेल में ही संघ की शाखा लगना शुरू किया। प्रतिदिन सुबह और शाम प्रत्येक व्यक्ति को व्यायाम, योग, आसन कुश्ती, दंड बैठक कसरत करना अनिवार्य कर दिया गया। जिनको नहीं आता था उनको सिखाया गया। कबड्डी, खो खो और फुटबॉल भी खेला जाने लगा तथा हर खेल की रेफरशिप करते थे गजा महाराज।

बाद में वहां के जेलर ने भी इनको खेल के सामान उपलब्ध कराऐ।

स्वास्थ्य के लिए शारीरिक कार्यक्रम के साथ-साथ मानसिक विकास की दृष्टि से भी खेल खेले जाते थे तथा समय-समय पर कोई ज्वलंत विषय देकर एक- एक दिन सबके भाषण भी होते थे। इनके आग्रह पर अखबार एवं पत्र पत्रिकाएं भी जेल में उपलब्ध होने लगी, यद्यपि अखबार में सामान्य समाचार होते थे क्योंकि अभिव्यक्ति की आजादी पर पूर्णत प्रतिबंध था। केवल सरकार की प्रशंसाएं, 20 सूत्री कार्यक्रम इत्यादि के समाचारों से अखबार भरा रहता था।

गजा महाराज के नेतृत्व में संपूर्ण जेल के वातावरण में निराशा समाप्त हो गई। जेल के प्रहरी भी उनकी जीवन शैली देखकर आनंद का अनुभव करते थे। जेल में इन मीसा बंदियों का प्रेम छोटे कर्मचारियों से लेकर बड़े से बड़े व्यक्ति तक को प्रभावित कर रहा था।

जिस प्रकार का आदरभाव और विनम्रता का व्यवहार इन मीसा बंदियों द्वारा किया गया उसके कारण वहां के सभी कर्मचारी उनके भक्त बनते चले गए और जब-जब इन बंदियों को एक जेल से दूसरी जेल में ट्रांसफर होने पर जो विदाई होती थी तो अनेक जेल प्रहरी भी उनकी याद में आंसू बहाते देखे जाते थे।

जिसके जीवन में प्राकृतिक रूप से प्राणी मात्र के लिए प्रेम और सद्भावना का संस्कार विकसित हो जाता है वह व्यक्ति हर परिस्थिति में संपूर्ण समाज से प्रेम करता है,वही अपने राष्ट्र से भी प्रेम कर सकता है तथा वही समाज के नेतृत्व का असली हकदार भी होता है।

हमेशा असली नेता का जीवन राजनीति में लंबा होता है और नकली नेता की हवाएं जल्दी बदल जाती है।

इस तरह जब तक जेल में रहे। गजा महाराज ने जेल की संपूर्ण गतिविधि को एक नई दिशा देकर वहां के वातावरण में निराशा को समाप्त कर दिया।

एक लोक संगृही व्यक्ति चाहे कारागृह में बंद हो या घने जंगल में घिर गया हो वह अपने गुणों से उस अंधकार को चीर करके प्रकाश की ओर स्वयं भी जाता है और समाज को भी ले जाता है।

मंदसौर परीक्षा केन्द्र से 5 होनहार बने चार्टर्ड अकाउंटेंट

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा मई 2026 सीए फाइनल परीक्षा व सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। मंदसौर परीक्षा केंद्र से एग्जाम देने वाले 5 विद्यार्थी सीए बने।

उक्त जानकारी मंदसौर सीए शाखा के अध्यक्ष सीए विनय अग्रवाल ने बताया कि सीए फाइनल के कुल 26 विद्यार्थियों ने दोनों ग्रुप की परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 5 विद्यार्थी उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बने। इनमें आदित्य जैन, मुर्तजा अजमेरवाला, सक्षम हड़पावत, पार्थ छापरवाल एवं दिव्यांशी सोनी शामिल हैं। सभी ने अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की। ग्रुप-1 की परीक्षा में मंदसौर से 24 विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें से 3 उत्तीर्ण हुए। वहीं ग्रुप-2 में 18 में से 5 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की। मंदसौर शहर के अन्य छात्रों ने भी जिन्होंने अन्य परीक्षा केंद्रों से परीक्षा दी थी एवं परीक्षा में उत्तीर्ण हुए व सीए बने जिसमें अक्षिता राठौर, मिहिका अग्रवाल, नीतीशा सोमानी ने अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की ।

ऑल इंडिया में हुई सीए इंटरमीडिएट परीक्षा मई 2026 में ग्रुप 1 में कुल 91237 विद्यार्थी शामिल हुए, जिनमें से 9350 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए व ग्रुप 2 में कुल 64381 विद्यार्थी शामिल हुए जिनमें से कुल 10372 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मंदसौर परीक्षा केंद्र से दिव्या सैनी, पार्थ भामावत व भव्य लोढ़ा ने अच्छे अंकों से सफलता प्राप्त की सीए फाइनल व इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों को सीए मंदसौर मैनेजमेंट कमिटी द्वारा बधाई दी गई एवं उक्त विद्यार्थियों का सम्मान मंदसौर की सीए शाखा द्वारा सीए डे पर 1 जुलाई 2026 को मंदसौर शाखा पर किया जाएगा।

फायर सेफ्टी को लेकर प्रशासनिक टीम ने जारोली टावर व पटेल प्लाजा का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के विभिन्न स्थानों पर कोचिंग सेंटर व बहुमंजिली इमारतों में हुई आगजनी की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन बुधवार को मुस्तैद रहा। बुधवार 24 जून को एसडीएम श्री पराग जैन यातायात थाना प्रभारी श्री सोनू बडगूजर एवं नगर पालिका नीमच की मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने जामा मस्जिद के सामने स्थित जारोली टावर एवं पटेल प्लाजा का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश- जारोली टावर के बेसमेंट में पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने, कोचिंग सेंटर में अग्निशमन यंत्र स्थापित करने तथा प्रवेश व निकासी द्वार अलग-अलग करने के निर्देश दिए। पटेल प्लाजा-मे नए गेम जोन में अग्निशमन यंत्र स्थापित करने एवं प्रवेश व निकासी की व्यवस्था अलग-अलग करने के निर्देश दिए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने बताया कि निरीक्षण दौरान तहसीलदार श्री संजय मालवीय सहित नगर पालिका अमला भी उपस्थित था। टीम ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को फायर सेफ्टी मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए है।

जिले की सभी गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी.पंजीयन एवं स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सभी गर्भवती महिलाओं की शतप्रतिशत ए.एन.सी. पंजीयन कर, उनका स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करें। सेक्टर सुपरवाईजर एवं सेक्टर मेडिकल आफीसर क्षेत्र की हर एक गर्भवती महिलाओं का पंजीयन पोर्टल पर करवाकर, एच.आर.पी.डब्ल्यू. उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाकर उनका प्रबंधन सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी शासकीय चिकित्सा संस्थाओं के प्रभारी चिकित्सकों, बी.एम.ओ. और सेक्टर सुपरवाईजरों को दिए। बैठक में जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद, डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्रुति भयडिया एवं सभी स्वास्थ्य अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया, कि जिले में 19 नवीन शासकीय चिकित्सकों की पद स्थापना हो गई है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार आएगा और नागरिकों को उपचार सुविधाए मिलेगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि नव नियुक्त चिकित्सकों के जिला चिकित्सालय नीमच में बारी बारी से एक-एक सप्ताह का (एचआरपीडब्ल्यू) उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण दिलाए, जिससे कि वे अपनी संस्था में एचआरपीडब्ल्यू का बेहतर प्रबंधन, स्थानीय स्तर पर कर सके। कलेक्टर ने इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रशिक्षण का रोस्टर बनाकर आदेश जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में ए.एन.सी.पंजीयन की समीक्षा करते हुए सभी सेक्टर अधिकारियों को निर्देशित किया, कि सभी ए.एन.सी.पंजीकृत महिलाओं की जिनकी समग्र सीडिंग शेष है। नामजद सूची तैयार कर एसडीएम, सीएमओ, जनपद सीईओ से समन्वय कर उनकी समग्र आईडी बनवाए एवं ए.एन.सी.का पंजीयन पोर्टल पर सुनिश्चित करवाए। सभी बी.एम.ओ.को ए.एन.सी. पंजीयन बढाने एवं एनीमिक महिलाओं को सभी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाए प्रदान कर उनका एचआरपीडब्ल्यू प्रबंधन करने के निर्देश भी दिए गये।

मंदसौर में नई आबादी थाना पुलिस द्वारा सिंथेटिक ड्रग्स के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

एमडी ड्रग निर्माण फैक्ट्री का पर्दाफाश, 13 किलो 850 ग्राम एमडी ड्रग एवं 9 किलो 109 ग्राम केमिकल जब्त, एक आरोपी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित ड्रग फ्री मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत मंदसौर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर तेरसिंह बघेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर जितेंद्र भास्कर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नई आबादी मंदसौर उप निरीक्षक कुलदीप सिंह राठौर एवं उनकी विशेष पुलिस टीम द्वारा सुनियोजित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित एक एमडी ड्रग निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। थाना नई आबादी पुलिस को प्राप्त विश्वसनीय मुखबिर सूचना के आधार पर विशेष टीम द्वारा ग्राम बाजखेड़ी में स्थित एक खेत पर बने पक्के मकान पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान वहां अवैध रूप से संचालित एमडी ड्रग निर्माण इकाई का खुलासा हुआ। मौके से 13 किलो 850 ग्राम एमडी ड्रग एवं 9 किलो 109 ग्राम केमिकल जप्त किया गया है। दो आरोपी गिरफ्तार है, जिनसे जानकारी जुटाई जा रही है। मौके से ड्रग निर्माण में प्रयुक्त उपकरण 02 स्टील के बड़े मटके, 03 स्टील के चम्मच, 01 स्टील का तपेला, 01 स्टील की तपेली, 01 सेन्ट्रीफ्यूगल मशीन, 01 इलेक्ट्रिक इंडक्शन, 01 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा, 01 प्लास्टिक ड्रम, 03 प्लास्टिक बाल्टियां, ड्रग सुखाने में प्रयुक्त हैलोजन लाइटें, अन्य निर्माण सामग्री एवं उपकरण विधिवत जप्त कर थाना नई आबादी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है।

गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में प्राप्त तथ्यों के आधार पर सिंथेटिक ड्रग्स के निर्माण, परिवहन एवं तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों तथा नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस द्वारा इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश एवं संपूर्ण नेटवर्क की जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी में सदाकत खान पिता लियाकत खान उम्र 41 साल निवासी अरोरा कॉलोनी मन्दसौर थाना यशोधर्मन नगर, आरिफ पिता न्याज मोहम्मद अजमेरी उम्र 33 साल निवासी अरनिया निजामुद्दीन थाना नई आबादी है। इसके अलावा फरार आरोपी ताहिर पिता फकरुद्दीन अजमेरी निवासी बाजखेड़ी है, जिसकी तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि मंदसौर पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई की जा रही है। जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नई आबादी कुलदीप सिंह राठौर, थाना प्रभारी मल्हारगढ़ निरीक्षक अनिल रघुवंशी, थाना प्रभारी शामगढ़ उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय, चौकी प्रभारी बूढ़ा उप निरीक्षक विकास गेहलोत, उप निरीक्षक विनय बुंदेला थाना यशोधर्मन नगर व नई आबादी पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर ग्राहक पंचायत सक्रिय, खाद्य पदार्थों की जांच हेतु विशेष अभियान की मांग

पैक्ड खाद्य सामग्री और होटल-रेस्टोरेंट की खाद्य गुणवत्ता जांच कराने को लेकर खाद्य एवं औषधि निरीक्षक को सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित एवं मानकयुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, मंदसौर ने खाद्य एवं औषधि निरीक्षक धीरेन्द्र सिंह जादौन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जिलेभर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की गई। ग्राहक पंचायत ने ज्ञापन में बताया कि वर्तमान मौसम में खाद्य पदार्थों के दूषित होने एवं मिलावट की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में बाजार में विक्रय की जा रही पैक्ड खाद्य सामग्री, नमकीन, मिठाई, शीतल पेय पदार्थ, दूध, दही, पनीर सहित अन्य खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं में चिंता का माहौल है। पूर्व में जिले में विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने जांच में मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी निगरानी की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

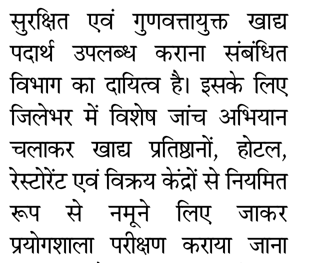

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना संबंधित विभाग का दायित्व है। इसके लिए जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाकर खाद्य प्रतिष्ठानों, होटल, रेस्टोरेंट एवं विक्रय केंद्रों से नियमित रूप से नमूने लिए जाकर प्रयोगशाला परीक्षण कराया जाना आवश्यक है। ग्राहक पंचायत ने मांग की कि मिलावटी, अमानक अथवा दूषित खाद्य सामग्री पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर आमजन को खाद्य पदार्थों की वास्तविक गुणवत्ता की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, जिससे उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत हो सके। इस अवसर पर प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा ने कहा कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और प्रभावी निगरानी व्यवस्था समय की आवश्यकता है। ग्राहक पंचायत भविष्य में भी उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य करती रहेगी। ज्ञापन सौंपते समय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष विजय कोठारी, जिला सचिव आशीष भाटिया, विधि आयाम प्रमुख उमरावसिंह जैन, नीलेश सेन एवं अश्विन सेन उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस कार्यालय संगठन का मंदिर, इसकी मर्यादा बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी : अजय सिंह

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह (राहुल भैया) के जिला कांग्रेस कार्यालय, मंदसौर आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों ने पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय सिंह ने कहा कि जिला कांग्रेस कार्यालय हमारे संगठन का मंदिर है, जिसकी गरिमा एवं मर्यादा का संरक्षण प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता का दायित्व है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रति हमारी निष्ठा, समर्पण एवं प्रतिबद्धता संगठनात्मक कार्यों में दिखाई देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि विचारधारा की लड़ाई है। ऐसे में सभी कांग्रेसजनों को अनुशासन, संगठनात्मक मर्यादा एवं आपसी सम्मान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वर्तमान में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार की अनावश्यक टिप्पणी, विवादित प्रतिक्रिया अथवा ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए, जिससे संगठन की छवि प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि अपनी ऊर्जा और क्षमता का उपयोग कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने, जनता के बीच पार्टी की विचारधारा पहुंचाने तथा जनहित के मुद्दों को उठाने में करना चाहिए। जब कार्यकर्ता सकारात्मक सोच और संगठनात्मक एकता के साथ कार्य करेंगे, तभी कांग्रेस भविष्य में मजबूत होकर सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकेगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने कहा कि श्री अजय सिंह जैसे अनुभवी एवं वरिष्ठ नेतृत्व का मार्गदर्शन संगठन के लिए प्रेरणादायी है। वरिष्ठ नेताओं के सतत संपर्क एवं कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयासों से कांग्रेस आगामी चुनावों में और अधिक सशक्त होकर उभरेगी। इस अवसर पर विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व विधायक पुष्पा भारतीय, वरिष्ठ नेता प्रकाश रातडिया, ओम सिंह भाटी, सोमिल नाहटा, मंजीत सिंह टुटेजा, अजय लोढ़ा, सुनील गुप्ता, रवींद्र रांका, असगर मेव, सुनील बसेर, बालेश्वर पाटीदार, प्रवीण मांगरीया, सुरेश पाटीदार, दिलीप देवड़ा, कर्मवीर सिंह भाटी, घनश्याम अटोलिया, रूपल संचेती, अंजू तिवारी, राखी सत्रावाला, राघव शक्तावत, वाहिद जैदी, आदित्य पाटिल, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रवीण मांगरीया ने दी।

पूर्व नपाध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार की प्रतिमा के लिए सभी विभागों की एनओसी प्राप्त, अब गेंद नगर पालिका के पाले में-सुनील बंसल

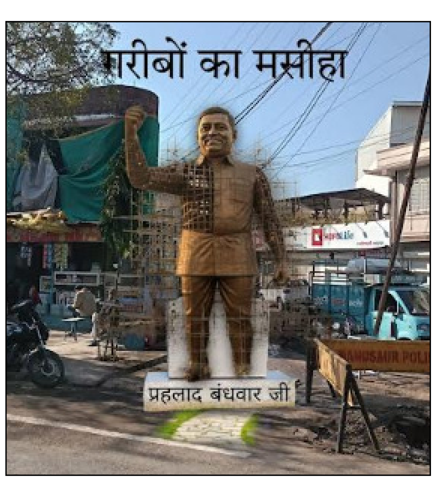

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी व पार्षद सुनील बंसल ने एक वक्तव्य में कहा कि नगर पालिका परिषद मंदसौर में पूर्व नपाध्यक्ष स्व. प्रहलाद बंधवार की प्रतिमा जिला सहकारी बैंक के सामने जिस जगह उनकी हत्या हुई वहां लगाए जाने का प्रस्ताव तत्कालीन नपाध्यक्ष राम कोटवानी की परिषद में पास हुआ था जिसे पुनः श्रीमती रमादेवी गुर्जर की परिषद में भी प्रस्ताव पास किया गया। उसके लिए विभिन्न विभागों के एनओसी की आवश्यकता थी लंबे समय के बाद सभी विभागो की अनुमतियां यानी एनओसी नगर पालिका परिषद मंदसौर को प्राप्त हो चुकी है अब इच्छा शक्ति नगर पालिका परिषद मंदसौर की है की प्रतिमा स्थान पर लेआउट देकर डिजाइन तैयार कर टेंडर की कार्रवाई एवं प्रतिमा के लिए भी टेंडर की कार्रवाई करें। ताकि शीघ्र ही स्व. श्री बंधवार की हत्या जिस जगह हुई उस जगह उनकी प्रतिमा लगाने का मार्ग प्रशस्त हो सके। साथ ही नगर पालिका ने दो प्रतिमा श्री देवी अहिल्याबाई की मूर्ति एवं सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति के लिए भी प्रस्ताव पास किया परंतु उसमें मध्य प्रदेश विद्युत मंडल अपनी लेटलतीफी के कारण पिछले चार महीना से एनओसी के लिए फाइल उनके पास पड़ी है पर अधिकारी की नींद नहीं खुल रही है नगर पालिका ने अनेक बार फोन लगाकर अधिकारियों को जगाने का भी प्रयास किया पर एमपीईबी के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरणी नींद में सोए हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजादी की लड़ाई के नायक श्री सुभाष चंद्र बोस एवं देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा का मार्ग प्रशस्त में रोडा बने अधिकारियों की एनओसी आने के बाद ही नगरपालिका अपना काम कर पाएगी। अतः मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के आला अधिकारियों से निवेदन है कि इन दोनों क्रांतिवीरों की प्रतिमाओं के लिए तत्काल एनओसी रिलीज करें।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, मध्य प्रदेश- सीबीएन द्वारा लगभग 40 टन से अधिक मादक पदार्थों का रिकॉर्ड विनष्टीकरण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध चलाए जा रहे सतत अभियान के अंतर्गत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, मध्य प्रदेश द्वारा दिनांक 24 जून 2026 को अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री, खोर, नयागांव (मध्य प्रदेश) में उच्च स्तरीय ड्रग डिस्पोजल समिति की निगरानी में 29 प्रकरणों में जब्त लगभग 40 टन मादक पदार्थों एवं मनःप्रभावी औषधियों का रिकॉर्ड स्तर पर सुरक्षित विनष्टीकरण किया गया। यह मध्य प्रदेश इकाई द्वारा अब तक किए गए सबसे बड़े मादक पदार्थ विनष्टीकरण अभियानों में से एक है।

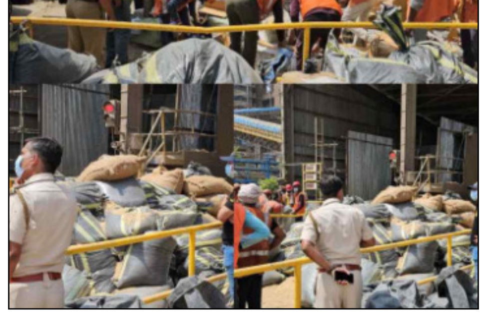

विनष्ट किए गए मादक पदार्थों एवं मनःप्रभावी औषधियों में प्रमुख रूप से निम्न सामग्री शामिल है–

पोस्ता भूसा- 21,521.150 किलोग्राम (1,070 पैकेट)

अफीम ब्लैक सीड्स- 8,555.000 किलोग्राम (144 पैकेट)

हेरोइन - 15.000 किलोग्राम (04 पैकेट)

मेफेड्रोन- 44.755 किलोग्राम (15 पैकेट)

ब्राउन शुगर - 0.352 किलोग्राम (03 पैकेट)

अल्प्राजोलम पाउडर- 0.631 किलोग्राम (02 पैकेट)

कोडीन फॉस्फेट सिरप - 67,346 बोतलें (100 मि.ली.) तथा अन्य एनडीपीएस दवाइयाँ (720 बॉक्स)

ट्रामाडोल टैबलेट- 1,39,260 टैबलेट

पेंटाजोसिन इंजेक्शन - 1,04,495 इंजेक्शन

बुप्रेनॉर्फिन एम्प्यूल्स - 1,47,095 एम्प्यूल्स

लोराजेपाम टैबलेट - 1,95,380 टैबलेट

क्लोनाजेपाम टैबलेट - 1,83,200 टैबलेट

अल्प्राजोलम टैबलेट - 1,61,800 टैबलेट

इसके अतिरिक्त नाइट्राजेपाम, डायजेपाम, केटामाइन, मिडाजोलम तथा जोल्पिडेम जैसी विभिन्न मनःप्रभावी औषधियों का भी विनष्टीकरण किया गया। इसके अतिरिक्त, 08 प्रकरणों में जब्त कुल 37.649 किलोग्राम अफीम को प्रचलित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार गवर्नमेंट ओपियम एंड अल्कलॉइड वर्क्स, नीमच में जमा कराया जाएगा। उक्त विनष्टीकरण एनडीपीएस अधिनियम, 1985 एवं भारत सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित तरीके से मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया गया। जब्त मादक पदार्थों का समयबद्ध विनष्टीकरण न केवल इन पदार्थों के पुनः दुरुपयोग की संभावना को समाप्त करता है, बल्कि समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने पुनः यह संदेश दिया है कि मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध व्यापार के विरुद्ध उसकी कार्यवाही निरंतर, कठोर एवं शून्य सहिष्णुता की नीति पर आधारित है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो, मध्य प्रदेश, 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध व्यापार एवं दुरुपयोग के विरुद्ध अपनी कार्रवाई आगे भी पूरी दृढ़ता, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ जारी रखेगा।

सम्पादकीय

लखनऊ कोचिंग अग्निकांडः क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा सिर्फ खबर बनकर रह जाएगी?

लखनऊ में हुए हालिया कोचिंग अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। धुएँ से घिरी इमारतें, चीखते-बिलखते विद्यार्थी, घबराए हुए अभिभावक और राहत-बचाव दलों की भागदौड़–ये दृश्य केवल एक दुर्घटना की तस्वीर नहीं हैं, बल्कि हमारी व्यवस्था की उन कमजोरियों का आईना हैं जिन्हें हम वर्षों से अनदेखा करते आ रहे हैं। हर बार किसी बड़े हादसे के बाद कुछ दिनों तक शोक, संवेदना और आक्रोश दिखाई देता है, फिर सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हमारे बच्चों की सुरक्षा केवल कुछ दिनों की खबर बनकर रह जाएगी? क्या हम तब तक जागेंगे नहीं, जब तक अगली त्रासदी किसी और शहर में, किसी और कोचिंग संस्थान या हॉस्टल में घटित नहीं हो जाती?

आज भारत में लाखों विद्यार्थी अपने घरों से दूर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। कोटा, दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज, पटना, जयपुर और चंडीगढ़ जैसे शहर शिक्षा के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अभिभावक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें इन संस्थानों में भेजते हैं। वे फीस भरते हैं, हॉस्टल का खर्च उठाते हैं और यह भरोसा करते हैं कि जहां उनका बच्चा पढ़ रहा है, वहां उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। दुर्भाग्य से यह भरोसा कई बार टूट जाता है।

ऐसे हादसे अचानक नहीं होते। इनके पीछे वर्षों की लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जवाबदेही की कमी होती है। जब किसी इमारत में पर्याप्त आपातकालीन निकास नहीं होते, जब बिजली की वायरिंग मानकों के अनुरूप नहीं होती, जब फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए लगाए जाते हैं, जब भवन निर्माण नियमों को ताक पर रखकर व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाती हैं, तब किसी भी दिन एक छोटी-सी चिंगारी बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती है।

इस घटना के बाद सबसे पहला प्रश्न अभिभावकों को स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने कभी अपने बच्चे के कोचिंग संस्थान, हॉस्टल या पीजी की सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक जांच की है? अक्सर हम संस्थान की प्रतिष्ठा, परिणाम और सुविधाओं के बारे में पूछते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी प्रश्नों को नजरअंदाज कर देते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। बच्चे के भविष्य जितना महत्वपूर्ण है, उसका जीवन और सुरक्षा उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को सबसे पहले आपातकालीन निकास की स्थिति की जांच करनी चाहिए। किसी भी भवन में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकास जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर साबित हो सकता है। कई संस्थानों में आपातकालीन सीढ़ियां या तो बंद रहती हैं या उनमें सामान भरा रहता है। कुछ जगहों पर सुरक्षा द्वारों पर ताले लगे होते हैं। ऐसी स्थिति में भगदड़ और अफरा-तफरी के दौरान बाहर निकलना लगभग असंभव हो जाता है। यदि किसी भवन में आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिन्हित नहीं हैं या उनके उपयोग में कोई बाधा है, तो उसे गंभीर चेतावनी समझना चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और कार्यशीलता है। फायर एक्सटिंग्विशर केवल दीवारों पर टांग देने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती। उनकी नियमित जांच, रखरखाव और समय-समय पर रिफिलिंग आवश्यक है। अभिभावकों को यह जानने का अधिकार है कि संस्थान में कितने अग्निशमन यंत्र हैं, उनकी वैधता क्या है और क्या स्टाफ को उनके उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया है। यदि कोई संस्थान इन सवालों के स्पष्ट उत्तर नहीं देता, तो उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर संदेह होना चाहिए। तीसरा मुद्दा फायर एनओसी यानी अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र का है। हमारे देश में अक्सर देखा गया है कि कागजों पर सभी नियम पूरे दिखाई देते हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति अलग होती है। कई बार निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। इसलिए केवल एनओसी की प्रति देखना पर्याप्त नहीं है। उसकी वैधता, निरीक्षण रिपोर्ट और सुरक्षा मानकों की वास्तविक स्थिति की भी जांच आवश्यक है। प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि फायर एनओसी केवल कागजी प्रक्रिया न रह जाए, बल्कि वास्तविक सुरक्षा का प्रमाण बने।

इमारत की संरचना भी सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है। कई कोचिंग संस्थान संकरी गलियों में स्थित बहुमंजिला इमारतों में संचालित होते हैं। इनमें पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं होता, खिड़कियां सीमित होती हैं और भीड़ क्षमता से कहीं अधिक होती है। ऐसी इमारतें दुर्घटना की स्थिति में मौत के जाल में बदल सकती हैं। इसलिए भवन निर्माण मानकों का पालन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा केवल उपकरणों से नहीं आती, बल्कि तैयारी से भी आती है। क्या संस्थान नियमित फायर ड्रिल आयोजित करता है? क्या विद्यार्थियों को बताया जाता है कि आपातकाल की स्थिति में क्या करना है? क्या स्टाफ को प्राथमिक आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया है? इन प्रश्नों के उत्तर अक्सर नकारात्मक होते हैं। जबकि विकसित देशों में स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में नियमित सुरक्षा अभ्यास अनिवार्य होता है। भारत में भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

सहजयोग : दुश्चिंताओं से मुक्ति की ओर एक सहज मार्ग

आधुनिक जीवन की जटिलताओं के बीच सहजयोग केवल ध्यान की एक पद्धति नहीं, बल्कि आंतरिक शांति, आत्मिक जागृति और चिंता-मुक्त जीवन की ओर बढ़ने का एक सहज एवं व्यावहारिक मार्ग प्रस्तुत करता है।

सहजयोग की स्थापना परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा की गई। इसे एक जीवंत एवं वैज्ञानिक आध्यात्मिक पद्धति माना जाता है, जिसका उद्देश्य मनुष्य को उसकी अंतर्निहित आध्यात्मिक शक्ति से जोड़ना है। सहजयोग का अर्थ केवल योगाभ्यास करना नहीं, बल्कि जीवन को सहजता, संतुलन और आत्मिक जागरूकता के साथ जीना है।

आध्यात्मिक परंपराओं में माना गया है कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप शुद्ध, शांत और आनंदमय है, लेकिन विचारों, इच्छाओं और चिंताओं की अधिकता उसे अपने मूल स्वभाव से दूर कर देती है। सहजयोग में आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित उस चेतना का अनुभव करता है, जो उसे परम शक्ति से जोड़ती है। इसी अनुभव के साथ जीवन में शांति, संतुलन और आत्मविश्वास का विकास होने लगता है।भारतीय संत परंपरा में भी सहजता को जीवन का सर्वोच्च गुण माना गया है। संत कबीरदास ने अपने प्रसिद्ध दोहे में कहा है-

सहज सहज सब कोई कहै, सहज न चीन्हे कोय।
जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय॥

इस दोहे के माध्यम से कबीरदास बताते हैं कि वास्तविक सहजता केवल शब्दों में नहीं, बल्कि जीवन की उस अवस्था में है जहाँ व्यक्ति विषय-वासनाओं और अनावश्यक आसक्तियों से ऊपर उठकर आंतरिक संतुलन प्राप्त कर लेता है। सहजयोग इसी सहज अवस्था की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

सहजयोग के साधकों का अनुभव है कि नियमित ध्यान से मानसिक तनाव, भय, असुरक्षा और अनेक प्रकार की दुश्चिंताओं में कमी आती है। व्यक्ति अपने सहज स्वभाव में स्थित होकर जीवन की परिस्थितियों का सामना अधिक धैर्य, विवेक और सकारात्मकता के साथ कर पाता है। इसके परिणामस्वरूप जीवन में प्रेम, करुणा और आनंद का विस्तार होता है।

श्री माताजी निर्मला देवी ने कहा था, जब आप भगवान के साम्राज्य में खड़े होते हैं, खुशी के साम्राज्य में, तो हर हाल में आप राजा और रानी बनते हैं। कोई भी आपको खरीद नहीं सकता या आप पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता। आप सब कुछ जीत लेते हैं। यह कथन उस आंतरिक स्वतंत्रता और आत्मबल की ओर संकेत करता है, जिसे सहजयोग के माध्यम से अनुभव किया जा सकता है। सहजयोग ध्यान का अभ्यास सभी आयु, धर्म और सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए उपलब्ध है तथा यह पूर्णतः निःशुल्क है।

लोकतंत्र की जड़ों में मठा डालते जन-प्रतिनिधि

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से देश के तमाम राजनीतिक दलों ने दल बदल के इतने अलग-अलग उदाहरण पेश किए हैं कि जनता का राजनीतिक पार्टियों और राजनेताओं से विश्वास और भरोसा धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इतने खर्चीले चुनाव के बाद मिले जनादेश का अर्थ केवल सीटों की संख्या नहीं यह करोड़ों नागरिकों की सामूहिक इच्छा का सम्मान है। दल-बदल उसी जनादेश को छिन्न-भिन्न कर देता है। जनता ने जिस दल को विपक्ष में बैठने का दायित्व दिया था, उसके प्रतिनिधि यदि सत्ता में शामिल हो जाएँ, या जिन पर सरकार चलाने का भरोसा किया गया था वे दूसरी दिशा में चले जाएँ, तो मतदाता स्वयं को ठगा हुआ और असहाय महसूस करता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी विश्वास और भरोसा है, और दल-बदल उसी विश्वास और भरोसे पर बड़ा आघात करता है।

भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून प्रभावशाली किया गया था ताकि निर्वाचित प्रतिनिधि निजी लाभ के लिए जनादेश का सौदा न कर सकें। किंतु समय के साथ राजनीतिक दलों ने ऐसे सुगम मार्ग खोज लिए जिनसे कानून की भावना बेबस पड़ गई। सामूहिक टूट, विलय और तकनीकी व्याख्याओं ने कानून की आत्मा को कई बार निष्प्रभावी बना दिया। परिणाम यह हुआ कि कानून मौजूद है, पर राजनीतिक नैतिकता लगातार कमजोर होती चली गई। लोकतंत्र की रक्षा केवल न्यायालय, संविधान या चुनाव आयोग नहीं कर सकते। लोकतंत्र का वास्तविक प्रहरी वह जनप्रतिनिधि है जो अपने अंतःकरण के प्रति ईमानदार हो। यदि किसी सांसद या विधायक को सचमुच अपनी पार्टी की नीतियों से गंभीर वैचारिक असहमति है, तो लोकतांत्रिक मर्यादा यही कहती है कि वह पहले अपने पद से त्यागपत्र दे, फिर नए दल के टिकट पर जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करे। यदि जनता उसे पुनः चुनती है, तो वही उसकी वैध राजनीतिक स्वीकृति होगी। बिना इस्तीफा दिए दल बदलना नैतिक रूप से जनादेश का अपमान है।

आज राजनीति में सत्ता साधन नहीं, साध्य बनती जा रही है। मंत्री पद, राजनीतिक संरक्षण और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएँ कई बार जनहित से ऊपर दिखाई देती हैं। यही कारण है कि चुनाव के समय कटु विरोधी रहे नेता सत्ता की संभावनाएँ बनते ही एक-दूसरे के साथ खड़े दिखाई देते हैं। ऐसे दृश्य लोकतंत्र की गरिमा को कमज़ोर करते हैं और युवाओं के मन में राजनीति के प्रति अविश्वास पैदा करते हैं।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसलिए यहाँ लोकतांत्रिक मर्यादाओं का स्तर भी सबसे ऊँचा होना चाहिए। लोकतंत्र केवल सरकार बनाने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास, राजनीतिक नैतिकता और जनादेश की पवित्रता पर टिका हुआ एक जीवंत तंत्र है। मतदाता जब मतदान करता है, तो वह केवल किसी व्यक्ति को नहीं चुनता, बल्कि उसके विचार, उसकी पार्टी, उसकी नीतियों और उसके सार्वजनिक वचनों पर अपना विश्वास व्यक्त करता है। इसलिए निर्वाचित प्रतिनिधि का दल बदलना केवल राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक आस्था पर गहरा आघात है। आज भारतीय राजनीति में दल-बदल की प्रवृत्ति जिस गति से बढ़ रही है, वह चिंता का विषय है। अनेक राज्यों में चुनाव के बाद सरकारों का स्वरूप जनादेश से कम और राजनीतिक जोड़-तोड़ से अधिक तय होता दिखाई देता है। कभी सत्ता पक्ष के विधायक विपक्ष में चले जाते हैं, तो कभी विपक्ष के सांसद सत्तारूढ़ दल का दामन थाम लेते हैं। यह प्रवृत्ति किसी एक दल तक सीमित नहीं है; लगभग सभी दल अवसर मिलने पर इसका लाभ उठाते रहे हैं। इसलिए यह किसी दल का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के क्षरण का प्रश्न है। मूलत राजनीति का आधार विचारधारा होती है। कोई दल राष्ट्रवाद की बात करता है, कोई समाजवाद की, कोई सामाजिक न्याय की, तो कोई क्षेत्रीय अस्मिता की। किंतु जब वही नेता कुछ दिनों बाद विपरीत विचारधारा वाले दल में जाकर उसी के गुणगान करने लगते हैं, तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या विचारधारा इतनी सस्ती है कि सत्ता के एक अवसर पर बदल जाए, यदि ऐसा है, तो चुनावी घोषणापत्र, सार्वजनिक भाषण और जनता से किए गए वादे केवल राजनीतिक अभिनय बनकर रह जाते हैं।

जनादेश का अर्थ केवल सीटों की संख्या नहीं है; यह करोड़ों नागरिकों की सामूहिक इच्छा का सम्मान है। दल-बदल उसी जनादेश को विकृत कर देता है। जनता ने जिस दल को विपक्ष में बैठने का दायित्व दिया था, उसके प्रतिनिधि यदि सत्ता में शामिल हो जाएँ, या जिन पर सरकार चलाने का भरोसा किया गया था वे दूसरी दिशा में चले जाएँ, तो मतदाता स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी विश्वास है, और दल-बदल उसी विश्वास का क्षरण करता है।

भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून बनाया गया था ताकि निर्वाचित प्रतिनिधि निजी लाभ के लिए जनादेश का सौदा न कर सकें। किंतु समय के साथ राजनीतिक दलों ने ऐसे रास्ते खोज लिए जिनसे कानून की भावना कमजोर पड़ गई। सामूहिक टूट, विलय और तकनीकी व्याख्याओं ने कानून की आत्मा को कई बार निष्प्रभावी बना दिया। परिणाम यह हुआ कि कानून मौजूद है, पर राजनीतिक नैतिकता लगातार कमजोर होती चली गई।

लोकतंत्र की रक्षा केवल न्यायालय, संविधान या चुनाव आयोग नहीं कर सकते। लोकतंत्र का वास्तविक प्रहरी वह जनप्रतिनिधि है जो अपने अंतःकरण के प्रति ईमानदार हो। यदि किसी सांसद या विधायक को सचमुच अपनी पार्टी की नीतियों से गंभीर वैचारिक असहमति है, तो लोकतांत्रिक मर्यादा यही कहती है कि वह पहले अपने पद से त्यागपत्र दे, फिर नए दल के टिकट पर जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करे। यदि जनता उसे पुनः चुनती है, तो वही उसकी वैध राजनीतिक स्वीकृति होगी। बिना इस्तीफा दिए दल बदलना नैतिक रूप से जनादेश का अपमान है. आवश्यकता इस बात की है कि दल-बदल कानून को और प्रभावी बनाया जाए। यदि कोई सांसद या विधायक स्वेच्छा से दल बदलता है, तो उसकी सदस्यता स्वतः समाप्त हो तथा उसे अनिवार्य रूप से पुनः चुनाव लड़कर जनता का विश्वास प्राप्त करना पड़े। जनादेश किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि जनता की धरोहर है। साथ ही, राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। केवल दूसरे दलों के नेताओं का स्वागत करने की संस्कृति लोकतंत्र को स्वस्थ नहीं बनाएगी। यदि सभी दल सिद्धांतों को प्राथमिकता दें और अवसरवाद को अस्वीकार करें, तभी राजनीति का नैतिक स्तर ऊँचा उठ सकेगा।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मतदाता की है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता बार-बार दल बदलने वाले नेताओं को चुनाव में अस्वीकार करना शुरू कर दे, तो राजनीति का चरित्र स्वतः बदल जाएगा। लोकतंत्र केवल संविधान की किताबों से नहीं चलता; वह नागरिकों की सजगता और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही से जीवित रहता है। सत्ता का आकर्षण क्षणभंगुर है, परंतु जनविश्वास शाश्वत होता है। इतिहास ने उन नेताओं को ही सम्मान दिया है जिन्होंने पद से अधिक सिद्धांतों को महत्व दिया। कुर्सियाँ बदलती रहती हैं, सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतंत्र तब मजबूत हो सकता है जब तक उसके प्रतिनिधि जनादेश को ईश्वर के समान पवित्र मानें।

आज आवश्यकता किसी व्यक्ति या दल की आलोचना करने की नहीं, बल्कि राजनीति की उस सोच को बदलने की है जिसने सिद्धांतों को सौदेबाज़ी और जनादेश को गणित में बदल दिया है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो लोकतंत्र का संकट विपक्ष की कमजोरी या सत्ता की ताकत नहीं होगा, बल्कि राजनीतिक चरित्र का पतन होगा।

लोकतंत्र संसद की दीवारों से नहीं, जनप्रतिनिधियों की निष्ठा से जीवित रहता है। जिस दिन सत्ता से बड़ा सिद्धांत और पद से बड़ा जनादेश हो जाएगा, उसी दिन भारतीय लोकतंत्र अपनी वास्तविक गरिमा को पुनः प्राप्त कर लेगा।

-संजीव ठाकुर

तेल की कीमतें घटीं, अब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने पर जोर

अनिश्चितता के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की शुरुआत विश्व अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत है। हालांकि होर्मुज स्ट्रेट का भविष्य अभी भी अस्पष्ट है लेकिन अब तक की प्रगति के परिणामस्वरूप कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें मई की शुरुआत के उच्च स्तर से 30 फीसदी से अधिक गिर गई हैं और वर्तमान में लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल पर बनी हुई हैं।

संघर्ष के कारण ऊंची कच्चे तेल की कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव डाला था जो रुपये के मूल्य में भी दिखाई दिया। पहले से अधिक भुगतान संतुलन घाटे का सामना करते हुए मार्च से मई के बीच रुपये में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। हालांकि तेल की कीमतों में गिरावट से रुपये की स्थिति सुधरी है। मई के निचले स्तर की तुलना में रुपये ने लगभग 1 फीसदी की बढ़त दर्ज की है।रुपये की बढ़त सीमित रहने के आसार हैं। जैसा कि इस समाचार पत्र ने पिछले सप्ताह रिपोर्ट भी किया था, भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप करता हुआ प्रतीत होता है। यह सही कदम है। भारत को पिछले वर्ष भी भुगतान संतुलन घाटे का सामना करना पड़ा था और रिजर्व बैंक ने हाजिर बाजार में शुद्ध 53.13 अरब डॉलर बेचे थे। संभव है कि उसने चालू वित्तीय वर्ष में भी ऐसा करना जारी रखा हो।

इसके अलावा बताया जाता है कि उसके पास बड़े पैमाने पर शॉर्ट पोजीशन हैं। सरकार और रिजर्व बैंक दोनों ने पूंजी प्रवाह में सुधार के लिए कई कदमों की घोषणा की है। इनमें बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) के लिए प्रोत्साहन और विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के माध्यम से प्रवासी भारतीयों से जमा राशि जुटाना शामिल है। बैंक एफसीएनआर-बी के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और कुछ बैंक रिटर्न बढ़ाने के लिए ऋण भी दे रहे हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार एफसीएनआर-बी से 100 अरब डॉलर तक का प्रवाह आकर्षित हो सकता है।

कुछ बाजार प्रतिभागी उम्मीद करते हैं कि रिजर्व बैंक नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) बढ़ा सकता है ताकि तरलता को नियंत्रित किया जा सके। रिजर्व बैंक ने बैंकों से ऐसे जमा और रियायती योजना के तहत जुटाए गए ईसीबी पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। केंद्रीय बैंक के लिए यह उचित होगा कि वह समय-समय पर यह जानकारी सार्वजनिक करे। जैसे-जैसे हालात सुधरते हैं यानी कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है और पूंजी प्रवाह की संभावित वापसी होती है।

-सुनील कुमार महला

स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

विज्ञान और तकनीक ने मानव सभ्यता को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। आज का युग डिजिटल युग है, जहां एक क्लिक पर पूरी दुनिया हमारी हथेली में सिमट आई है। स्मार्टफोन ने संचार, शिक्षा, व्यापार, बैंकिंग, स्वास्थ्य, शासन और सामाजिक संबंधों को नई दिशा दी है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी लेकर आती है। स्मार्टफोन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह जितना बड़ा वरदान सिद्ध हुआ है, उतना ही बड़ा अभिशाप भी बनता जा रहा है। विशेष रूप से बच्चों और किशोरों पर इसके दुष्प्रभावों ने पूरी दुनिया को चिंतित कर दिया है। आज विश्वभर में यह स्वीकार किया जा रहा है कि स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। दुर्भाग्यवश, विवेक और अनुशासन के अभाव में इसका नकारात्मक पक्ष अधिक मुखर हो रहा है। स्मार्टफोन की लत बच्चों और युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद, एकाकीपन, हिंसक प्रवृत्तियों, अश्लीलता, साइबर अपराध और सामाजिक विघटन का कारण बन रही है। यही कारण है कि आज केवल परंपरागत समाज और विकासशील देश ही नहीं, बल्कि विकसित देश भी इस चुनौती से निपटने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं।

हाल ही में भारत के हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव की पहल ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। गांव की पहचान साइबर अपराध के केंद्र के रूप में बनने लगी थी। इससे आहत होकर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से स्मार्टफोन त्यागने और बेसिक फोन अपनाने का निर्णय लिया। यह केवल मोबाइल तोड़ने की घटना नहीं, बल्कि समाज की उस पीड़ा की अभिव्यक्ति है, जो तकनीक के दुरुपयोग से उत्पन्न हुई है। गांव के युवाओं का विरोध भी स्वाभाविक है, क्योंकि आज शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं स्मार्टफोन पर निर्भर हैं। इस घटना ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा किया है-क्या समाधान तकनीक का बहिष्कार है या उसके विवेकपूर्ण उपयोग का संस्कार? विश्व के अनेक देशों ने इस प्रश्न पर गंभीर चिंतन आरंभ कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन, नीदरलैंड, चीन और अमेरिका जैसे देशों में बच्चों और किशोरों के स्मार्टफोन उपयोग को नियंत्रित करने की दिशा में अनेक पहलें हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया ने किशोरों के सोशल मीडिया उपयोग पर आयु-सीमा तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। फ्रांस ने स्कूलों में स्मार्टफोन प्रतिबंध लागू किया है। ब्रिटेन में भी स्कूलों में मोबाइल उपयोग को सीमित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के विरुद्ध मुकदमे दायर हुए हैं और उन पर भारी जुर्माने लगाए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

वास्तव में स्मार्टफोन जहां वरदान है, वहीं अभिशाप भी है। इससे ज्ञान का भंडार भी उपलब्ध है और भ्रम का संसार भी। यह शिक्षा का माध्यम भी है और अश्लीलता तथा हिंसा का प्रवेश-द्वार भी। यह रोजगार के अवसर भी देता है और साइबर अपराध की राह भी खोलता है। आज अनेक युवा रातों-रात अमीर बनने की लालसा में साइबर ठगी, सेक्सटॉर्शन, ऑनलाइन जुआ और डिजिटल धोखाधड़ी जैसे अपराधों में फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लील सामग्री, फेक न्यूज, नफरत और ट्रोल संस्कृति ने सामाजिक मूल्यों को गहरी चोट पहुंचाई है। सबसे अधिक चिंता का विषय बच्चों और किशोरों का मानसिक स्वास्थ्य है। शोध बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और रचनात्मक क्षमता प्रभावित होती है। नींद में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद, चिंता, आत्महत्या की प्रवृत्ति और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है और डिजिटल निकटता के बावजूद भावनात्मक दूरियां बढ़ी हैं। बच्चे खेल के मैदानों से दूर होकर आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं।

विशेषतः 'स्मार्टफोन एक दुधारी तलवार है'। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने इस चुनौती को और अधिक जटिल बना दिया है। एआई जहां शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, वहीं इसके दुरुपयोग की आशंकाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। डीपफेक वीडियो, फर्जी ऑडियो, साइबर ठगी, पहचान की चोरी, फेक न्यूज और डिजिटल ब्लैकमेल जैसे अपराधों में एआई का इस्तेमाल चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है।

स्मार्टफोन इस पूरी प्रक्रिया का सबसे सुलभ और प्रभावी माध्यम बन गया है। एक साधारण मोबाइल फोन के माध्यम से आज कोई भी व्यक्ति एआई आधारित एप्लीकेशनों का उपयोग कर नकली तस्वीरें और वीडियो तैयार कर सकता है, भ्रामक सूचनाएं फैला सकता है या साइबर अपराधों को अंजाम दे सकता है। विशेष रूप से किशोर और युवा, जिनके पास तकनीकी कौशल तो है लेकिन नैतिक प्रशिक्षण और परिपक्वता का अभाव है, वे अनजाने में अथवा त्वरित लाभ की लालसा में ऐसे कृत्यों में संलिप्त हो सकते हैं। इसलिए आवश्यक है कि एआई और स्मार्टफोन के उपयोग के साथ-साथ डिजिटल नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कानूनी जिम्मेदारियों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि तकनीक मानवता के विकास का साधन बने, विनाश का नहीं। इस संदर्भ में यह कथन अत्यंत प्रासंगिक है-'विज्ञान बिना विवेक के विनाश का कारण बनता है, जबकि विवेक के साथ वही विज्ञान मानवता का वरदान बन जाता है।'

ऐसी स्थिति में भारत में भी व्यापक राष्ट्रीय विमर्श की आवश्यकता है। भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यदि भारत को विश्वगुरु के रूप में अपनी भूमिका निभानी है, तो उसे तकनीक और मानवीय मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। भारत द्वारा निर्मित नीतियां न केवल देश, बल्कि विश्व के लिए भी मार्गदर्शक बन सकती हैं। इस दिशा में कुछ ठोस कदम उठाए जा सकते हैं-पहला, बच्चों और किशोरों के लिए स्मार्टफोन उपयोग की आयु-सीमा और समय-सीमा निर्धारित की जाए। एक निश्चित आयु तक बच्चों को केवल आवश्यक और नियंत्रित डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

दूसरा, स्कूलों में साइबर साक्षरता और डिजिटल नैतिकता को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग ही नहीं, बल्कि उसके दुष्परिणामों और कानूनी पहलुओं की जानकारी भी दी जानी चाहिए। तीसरा, अभिभावकों को डिजिटल पैरेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जाए। बच्चों को मोबाइल थमाकर जिम्मेदारी पूरी नहीं होती-उन्हें मार्गदर्शन, संवाद और संस्कार भी देने होंगे। चौथा, सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। हानिकारक और अश्लील सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण, आयु सत्यापन और एल्गोरिदम की पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। पांचवां, युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और रचनात्मक अवसरों का विस्तार किया जाए, ताकि वे त्वरित धनार्जन के प्रलोभन में अपराध की ओर न बढ़ें।

भारतीय संस्कृति सदैव संयम की संस्कृति रही है। हमारे ऋषियों ने सिखाया है कि किसी भी साधन का मूल्य उसके उपयोग में निहित होता है। आग भोजन भी पका सकती है और घर भी जला सकती है-दोष आग का नहीं, उपयोगकर्ता का होता है। यही बात स्मार्टफोन पर भी लागू होती है। आज आवश्यकता डिजिटल दुनिया से कटने की नहीं, बल्कि डिजिटल जिम्मेदारी, साइबर साक्षरता और संयमित उपयोग की है। तकनीक का विरोध समाधान नहीं है, बल्कि उसके साथ नैतिकता, विवेक और मानवीय मूल्यों का समन्वय ही स्थायी समाधान है। स्मार्टफोन मानव की सेवा का साधन बने, मानव का स्वामी नहीं-इसी में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का कल्याण निहित है।

-ललित गर्ग

रुपये की कमजोरी की जड़ें कहीं गहरी, सिर्फ तेल और पश्चिम एशिया संकट नहीं जिम्मेदार

देश के नीति निर्धारकों ने रुपया संभालने के लिए 5 जून को कुछ महत्त्वपूर्ण उपायों की घोषणा की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जिन उपायों का ऐलान किया उनमें विदेश से ऋण लेने वाली सरकारी कंपनियों को सब्सिडी, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए डॉलर- जमा योजना का नया संस्करण (जो आखिरी बार वर्ष 2013 में आजमाया गया था) और बॉन्ड एवं इक्विटी में विदेशी निवेश को आसान बनाना शामिल थे। सरकार ने सरकारी बॉन्ड में विदेशी निवेश पर ब्याज और पूंजीगत लाभ पर कर से छूट देने ?की घोषणा की। ये घोषणाएं बड़ीं हैं मगर क्या ये असरदार होंगी? इन्हें शक की निगाहों से देखने के कारण मौजूद हैं।

सबसे पहले, यह समझना आवश्यक है कि रुपये की कमजोरी की वजह केवल पश्चिम एशिया में हाल के महीनों में दिखा तनाव नहीं है। असल में पिछले साल एशिया में रुपया सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्रा थी जो डॉलर के मुकाबले 6 फीसदी से अधिक फिसल गई थी। इससे पता चलता है कि मामला कुछ और है। एक सवाल लाजमी है कि विदेशी निवेशक ऐसी अर्थव्यवस्था से धन क्यों निकाल रहे हैं जो ताजा आ?धिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दुनिया की किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था से तेजी से (लगभग 8 फीसदी) दर से बढ़ रही है?

इसका जवाब उन दो झटकों में छुपा है जिन्हें भारत को झेलना पड़ रहा है। इन झटकों पर कम ध्यान दिया गया है मगर लेकिन असर लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। ये झटके क्या हैं और अर्थव्यवस्था को इससे कैसे निपटना चाहिए?

इनमें एक को 'चाइना शॉक' यानी चीन का झटका कहा जा सकता है। कुछ समय पहले तक निवेशकों के बीच यह आम राय थी कि चीन से वैश्विक विनिर्माण स्थानांतरित होने से भारत को बहुत फायदा होगा। इसके पीछे की सोच मजबूत थी क्योंकि भारत के पास सस्ते कार्य बल की बड़ी तादाद थी और सरकार भी कई तरह की प्रोत्साहन योजनाएं चला रही थीं। तेजी से बढ़ता घरेलू बाजार था वह अलग। वर्ष 2008 के बाद भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चार गुना बढ़कर लगभग 1 लाख करोड़ डॉलर से करीब 4 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। इससे यह सोच और मजबूत हुई है कि देश में उत्पादन आधार और एक बड़ा उपभोक्ता बाजार दोनों ही मौजूद हैं।

हालांकि, चीजें वैसी नहीं हुई जैसी उम्मीद की जा रही थी। सबसे पहले तो चीन से बाहर जाने वाली कंपनियों की संख्या उम्मीद से कम रही है। चीन अभी भी दुनिया का विनिर्माण केंद्र बना हुआ है और नए क्षेत्र (जैसे वाहन) में भी इसका दबदबा बढ़ रहा है जहां पहले उसकी कोई बड़ी अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी नहीं थी। इसके अलावा, जो विनिर्माण कार्य चीन से बाहर गए वे भारत नहीं पहुंचे हैं। वास्तव में भारत में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वर्ष 2008 में जीडीपी के 3.6 फीसदी से गिरकर 2024 में 1 फीसदी से भी कम रह गया है। 'चीन+1' बदलाव का सबसे अधिक लाभ पूर्वी एशिया को मिला है, खासकर वियतनाम को जहां एफडीआई का अनुपात बढ़कर 5 फीसदी से अधिक हो गया है। जहां विदेशी कंपनियां भारत में निवेश करने से हिचकिचा रही हैं वहीं भारतीय कंपनियां विदेश में अपना निवेश बढ़ा रही हैं। पिछले दो साल में देश से बाहर किया जाने वाला निवेश दोगुना हो गया है। यह लगभग 15 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 30 अरब डॉलर से अधिक हो गया है जबकि घरेलू निवेश सुस्त बना हुआ है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत विदेशी या घरेलू कंपनियों के सामने भी स्वयं को विनिर्माण के लिए एक आकर्षक जगह के तौर पर पेश नहीं कर पाया है।

देश की अर्थव्यवस्था को एक और बड़ा झटका लगा है और वह है आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई)। एआई देश के प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के लिए खतरा बन गया है। सॉफ्टवेयर में भारत की काबिलियत के बावजूद एआई प्लेटफॉर्म तैयार करने और वैश्विक एआई विकास को आकार देने में यह अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। पिछले एक साल में निफ्टी आईटी सूचकांक में लगभग 22 फीसदी की गिरावट आई है। इस वजह से आईटी कंपनियों को कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ी है। नई भर्तियां तेजी से कम हुई हैं जबकि उपलब्ध जानकारियों के मुताबिक शीर्ष आईटी कंपनियों ने वर्ष 2024 से अब तक 40,000 से 50,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिए हैं।

कुल मिलाकर, इन दो झटकों से भारत की आर्थिक वृद्धि की कहानी की कमजोरी उजागर हो गई है। अगर विनिर्माण और आईटी सेवाएं (भारत के आर्थिक विकास के दो प्रमुख इंजन) दबाव में हैं तो निरंतर और तेज आर्थिक वृद्धि कैसे संभव हो पाएगी। नए आधार जरूर बन सकते हैं और दूसरे एशियाई देशों में ऐसा हुआ भी है। चीन, दक्षिण कोरिया और ताइवान ने मूल्य श्रृंखला में ऊपर उठने और एआई हार्डवेयर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे नए जमाने के उद्योगों में वैश्विक मौजूदगी बनाने की अपनी क्षमता साबित की है। हालांकि, भारत के विनिर्माण क्षेत्र में अभी तक ऐसा बदलाव नहीं आया है।

-धनंजय राजौरा

टीबी मुक्त भारत अभियानः देवास के 284 हाई-रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन से होगी टीबी स्क्रीनिंग

अमलतास अस्पताल को मिली जिम्मेदारी, देवास प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत जिला प्रशासन का बड़ा कदम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत देवास जिले को पूरी तरह से टीबी मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम उठाया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला देवास द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले के 284 हाई-रिस्क (उच्च जोखिम वाले) गांवों में विशेष स्वास्थ्य कैंप लगाकर अत्याधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से ग्रामीणों की टीबी स्क्रीनिंग की जाएगी। इस वृहद सेवा कार्य और अभियान के संचालन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल देवास को सौंपी गई है।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह के विशेष निर्देशानुसार, अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा देवास जिले के जिन गांवों को गोद लिया गया है, वहां इन विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों के दौरान यदि किसी भी ग्रामीण में टीबी के लक्षण दिखाई देते हैं, तो मौके पर ही तत्काल उसकी ह्रञ्ज (नैट) टेस्टिंग कराई जाएगी और संबंधित मरीज का पूरा डेटा निक्षय पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा, ताकि उसे समय पर इलाज और पोषण सहायता मिल सके।

इस अभियान को सुचारू और प्रभावी ढंग से चलाने के लिए अमलतास प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कैंप में एक्स-रे टीम के साथ एक कुशल रेडियोग्राफर और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। जमीनी स्तर पर किसी भी तकनीकी या व्यावहारिक समस्या के त्वरित समाधान के लिए अमलतास की यह टीम जिला क्षय अधिकारी से निरंतर सीधे समन्वय में रहेगी।

इस बड़े राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनाने के लिए अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रबंधन ने जिला प्रशासन और माननीय कलेक्टर महोदय श्री ऋतुराज सिंह, सीएमएचओ महोदय डॉ. सरोजनी जेम्सबेक का आभार व्यक्त किया है।

अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन श्री मयंकराज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की हमारे लिए यह अत्यंत गौरव और जिम्मेदारी का क्षण है कि जिला प्रशासन और माननीय कलेक्टर महोदय ने देवास जिले को टीबी मुक्त बनाने के इस पुनीत महाअभियान में अमलतास सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पर भरोसा जताया है। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के तहत, हमारा संकल्प है कि जिले के सभी 284 हाई-रिस्क गांवों के अंतिम व्यक्ति तक उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें। हमारी विशेषज्ञ डॉक्टरों, रेडियोग्राफर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की टीमें अत्याधुनिक हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से हर गांव में जाकर टीबी स्क्रीनिंग और आवश्यक ह्रञ्ज टेस्टिंग सुनिश्चित करेंगी। हम पूरे समर्पण के साथ देवास जिले को पूरी तरह से स्वस्थ और टीबी मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

धरना प्रदर्शन के पहले ही बिजली कंपनी ने दूर कर दी समस्या

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम आला उमरोद में बुधवार सुबह से ही विद्युत कंपनी के अधिकारी और कर्मचारी पहुंचे और वहां लगे विद्युत पोल में सुधार कार्य किया। जिससे अब न तो करंट फैलेगा और न कोई दुर्घटना होगी। इस पोल को लेकर गौसेवकों ने कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। इस पर बुधवार को बिजली कंपनी द्वारा सुधार कार्य किया गया।शाजापुर के ग्राम आला उमरोद में विद्युत करंट से लगातार गोवंश की मौत की घटनाओं के बाद बिजली कंपनी हरकत में आया है। गौरक्षा सेना और ग्रामीणों के विरोध के चलते कंपनी ने बुधवार को प्रस्तावित रोड जाम आंदोलन से पहले ही सुबह 8 बजे से मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य शुरू कर दिया है। इससे पहले गौरक्षा सेना ग्राम आला उमरोद के गौसेवकों और ग्रामीणों ने कनिष्ठ यंत्री ग्रामीण पवन पाटीदार को बुधवार दोपहर 12 बजे करीब एक ज्ञापन दिया। ज्ञापन में समस्या के स्थायी निराकरण की मांग की गई थी। इसमें बताया गया कि हनुमान मंदिर के पास स्थित विद्युत पोल और लाइन में करंट प्रवाहित होने से हाल की बारिश के बाद एक गोवंश और एक गौमाता की मौत हो चुकी है। कई बार शिकायत के बावजूद कंपनी ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की थी। वहीं सोमवार को एक और गौमाता करंट की चपेट में आ गई थी, जिसकी स्थिति गंभीर बताई गई। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों और गौसेवकों में भारी आक्रोश था। ग्रामीणों ने चेतावनी दी थी कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में विद्युत लाइन, पोल और डीपी की जांच व मरम्मत, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, खुले विद्युत तारों को सुरक्षित करने, नियमित निरीक्षण व्यवस्था तथा शिव मंदिर के पीछे स्थित विद्युत डीपी के चारों ओर सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवालध्फेंसिंग निर्माण की मांग की गई थी। आंदोलन के पहले ही बिजली कंपनी ने आला उमरोद पहुंचकर संबंधित पोल की मरम्मत की और समस्या का समाधान कर दिया। गौरक्षा सेना और ग्रामीणों ने विभाग द्वारा शुरू किए गए सुधार कार्य का स्वागत किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान होने तक वे इस विषय पर निगरानी बनाए रखेंगे, ताकि भविष्य में किसी गौमाता, गोवंश अथवा ग्रामीण की जान खतरे में न पड़े।

आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन 30 जून तक आमंत्रित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। परियोजना संचालक ''आत्मा'' ने बताया कि कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम आत्मा अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक राज्य, जिला एवं विकासखंड के लिए 30 जून 2026 तक प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार निर्धारित आवेदन फार्म विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर (आत्मा) एवं कृषि विस्तार अधिकारी एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग से प्राप्त करें। साथ ही वर्ष 2025-26 पुरस्कार हेतु कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकी, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर इच्छुक कृषकों से पुरस्कार के लिए बंद लिफाफे में प्रविष्टि विकासखंड के ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर/असिस्टेंट टेक्नोलॉजी मैनेजर ''आत्मा'' एवं उद्यानिकी पशुपालन, मत्स्य, कृषि, एवं कृषि अभियंत्रिकी विभाग को 30 जून 2026 के पूर्व प्रस्तुत करें।

उच्च शिक्षा विभाग की पहल : नए सत्र में महाविद्यालयों में होंगे मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में इंडक्शन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम के दौरान ÷मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम÷ आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें तनाव, अवसाद एवं अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई से प्रारंभ होने वाले नवप्रवेशित विद्यार्थियों के इंडक्शन कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच, ध्यान एवं जीवन कौशल जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर काउंसलिंग एवं सहायता सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एंटी-रैगिंग नियमों, शिकायत निवारण तंत्र, मेंटर-मेंटी प्रणाली, साइबर बुलिंग से बचाव तथा जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। महाविद्यालयों में उपलब्ध काउंसलर, मेंटर, एंटी-रैगिंग समिति, आंतरिक शिकायत समिति एवं अन्य सहायता तंत्रों की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम के लिए स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए तथा नवप्रवेशित विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के आयोजन से संबंधित प्रतिवेदन, फोटोग्राफ्स, वीडियो एवं समाचार प्रकाशन की प्रतियां विभाग को निर्धारित समय सीमा में भेजी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि यह पहल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित नेशनल टास्क फोर्स की अनुशंसाओं के अनुरूप की जा रही है। विभाग का मानना है कि विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यक्तित्व विकास और समग्र कल्याण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को संस्थागत रूप दिया जा रहा है, जिससे महाविद्यालयों में सुरक्षित, समावेशी और सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण हो सके।

लोन की सेटल राशि आई थी खाते में, ठग ने निकाल लिए 2.68 लाख

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम खरहरखेड़ी निवासी एक किसान के खाते में आई लोन की राशि अज्ञात बदमाश ने नेट बैंकिंग के माध्यम से निकाल ली। किसान को ठगी होने की जानकारी बैंक से फोन आने के बाद मिली। किसान ने पुलिस को शिकायत की है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार खरहरखेड़ी निवासी आत्माराम गुर्जर ने मनीबाक्स कंपनी की आगर शाखा के एजेंट के माध्यम से 4 लाख रुपए के लोन के लिए आवेदन किया था। पुराने लोन का समायोजन होने के बाद 20 जून को उनके इंडियन बैंक खाते में 2 लाख 70 हजार 779 रुपए जमा हुए थे। 22 जून को आत्माराम के पास एक अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन आया। जिसने खुद को इंडियन बैंक आगर का कर्मचारी बताया और पूछा कि क्या उन्होंने किसी को पैसे ट्रांसफर किए हैं। जब उन्होंने इससे इनकार किया तो उन्हें बैंक जाकर जानकारी लेने की सलाह दी गई।

पुत्र की प्रताड़ना से परेशान 83 वर्षीय वृद्ध को वृद्धाश्रम बसेरा में मिला आश्रय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। त्रिलोक नगर, इटावा निवासी 83 वर्षीय वृद्ध जय राम सिंह पटेल को पारिवारिक प्रताड़ना से मुक्ति दिलाते हुए प्रशासन की पहल पर बुधवार को सम्मानपूर्वक वृद्धाश्रम बसेरा में प्रवेश दिलाया गया। वृद्ध आश्रम संचालक दिनेश चौधरी ने बताया कि वृद्ध जय राम सिंह पटेल पिछले कई दिनों से अपने ही पुत्र द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे थे। बताया गया है कि वृद्ध स्वयं अपने हाथों से भोजन बनाकर जीवनयापन कर रहे थे, लेकिन उनका पुत्र अक्सर उनके साथ मारपीट करता था तथा कई बार उनके द्वारा बनाया गया भोजन भी फेंक देता था। वृद्ध का पुत्र पेशे से डॉक्टर बताया जा रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर अपर कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार संबंधित अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए 24 जून 2026 को वृद्ध जय राम सिंह पटेल को सम्मानपूर्वक वृद्धाश्रम बसेरा, देवास में प्रवेश दिलाया।

तालाबखेड़ा में दो पक्षों में हुआ पथराव व मारपीट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम तालाबखेड़ा में मंगलवार रात करीब 11 बजे दो पक्षों के बीच बहस के बाद जमकर मारपीट और पथराव हुआ। झड़प में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को इलाज के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गायत्री साधना एवं पौधारोपण के संकल्प उभरे गायत्री जयंती महापर्व पर

गायत्री जयंती पर्व पूर्ण उल्लास एवं कई संकल्प के साथ मनाया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में देशभर में गायत्री जयंती के महापर्व पर अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी का महाप्रयाण दिवस बड़ी श्रद्धा एवं उमंग के साथ मनाया जाता है, इसी क्रम में स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर भी मनाया गया जिसमें विविध आयोजन संपन्न हुए जिसमें विभिन्न संस्कार निःशुल्क सम्पन्न हुए।

गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर पर 23 जून को सुबह 05 बजे से ही आयोजन की शुरुआत हुई जिसमें गायत्री साधकों ने प्रातः 06 बजे से सन्ध्या 06 बजे तक अखण्ड गायत्री जप किया रात्रि 07.30 बजे दीपयज्ञ किया। 24 जून गायत्री जयंती को प्रातः 08ः30 बजे से श्रीवेदमाता गायत्री, परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्यजी, वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा का पूजन व देवताओं का आह्वान कर पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत हुई जिसमें दीक्षा, विवाह दिवस, जन्मदिवस, विद्यारंभ संस्कार सहित विभिन्न संस्कार हुए। कार्यक्रम में बाल संस्कार शाला के प्रभारी केशव पटेल व योग प्रशिक्षिका मंजू पटेल का विवाह दिवस भी मनाया गया। दोपहर 12 बजे सामूहिक गोष्ठी अपनों से अपनी बात में युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने युग तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से परम श्रद्धेय डॉ. साहब एवं परम श्रद्धेय जीजी के पत्र का वाचन कर मातृ जन्म शताब्दी वर्ष 2026 की जानकारी दी। परम पूज्य गुरूदेव के महा प्रयाण दिवस पर सच्ची श्रद्धांजलि समर्पित करने हेतु गायत्री परिवार के रचनात्मक अभियानों को पूर्ण भाव से करने को संकल्पित किया। श्री निहाले ने कहा कि आज की अनिवार्य आवश्यकता पौधे हैं, जिनका रोपण हर गायत्री साधक के लिए जरूरी हैं, कम से कम 11 पौधे लगाने का संकल्प आज गायत्री जयन्ती पर्व पर लेना जरूरी है। जिला समन्वयक बाबूलाल खंडेलवाल ने सवा लाख गायत्री मंत्र अनुष्ठान की विस्तार से जानकारी दी। सभागार में उपस्थित सैकड़ों परिजनों ने सामूहिक रूप से क्रमशः 03 माला, 05 माला, 11माला गायत्री साधना का संकल्प लिया। 45 परिजनों ने केंद्र के निर्देश पर सवा लाख गायत्री मंत्र जप अनुष्ठान के संकल्प लिए। वरिष्ठ परिजन रमेशचन्द्र मोदी ने वृक्ष गंगा अभियान पर प्रकाश डाला। पुनीत वृक्ष गंगा अभियान के लिये भी कई परिजनों के संकल्प उभरे जिनमें विकास चौहान, राधेश्याम चौधरी, दिलीपसिंह सोलंकी जिन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में देवकरण कुमावत, सालिगराम सकलेचा, मुनीश नामदेव, महेन्द्र राठौर सहित सैकड़ों परिजन उपस्थित रहे। महाप्रसाद (भंडारे) का आयोजन भी किया गया।

गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर भी गायत्री प्रज्ञापीठ की संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार सम्पन्न हुए। प्रज्ञापीठ की संरक्षिका दुर्गा दीदी द्वारा सभी परिजनों को गायत्री जयंती एवं परम पूज्य गुरुदेव के महाप्रयाण दिवस पर परम पूज्य गुरुदेव के स्मरण सुनाए। आयोजन में सुभाष जैन, अरुण शैव्य, विजय जाधव, केशव पटेल, चारुप्रभा बाबर, लता खंडेलवाल, लक्ष्मण पटेल, विक्रमसिंह राजपूत, चंद्रिका शर्मा, शेषनारायण परमार, वन्दना पाटीदार, ब्रजमोहन विजयवर्गीय, स्नेहलता पोरवाल, ओ. पी. श्रीवास्तव, बी. एल. कुमावत, दिनेश बरड़े, अनिल निगम, अरुणेंद्र सोनी, सुरेश बालपांडे, प्रकाश दुबे, प्रखर दुबे, सीमा चौहान, उमा यादव, सीमा चौधरी, प्रहलाद श्रोत्रिय सहित सैंकड़ों परिजन उपस्थित थे द्य गायत्री शक्तिपीठ पर कर्मकांड का संचालन गायत्री शक्तिपीठ की देवकन्याओं ने किया एवं परिव्राजक रामनिवास कुशवाह द्वारा विविध संस्कारों का क्रम सम्पन्न किया। गायत्री प्रज्ञापीठ पर कर्मकांड का संचालन ज्ञानदेव बोड़खे एवं सुधाकर चौधरी ने किया तथा अन्त में गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं गायत्री प्रज्ञापीठ के मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी राजेन्द्र पोरवाल ने आभार व्यक्त किया।

नए सत्र में महाविद्यालयों में होंगे मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में इंडक्शन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम के दौरान मेंटल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें तनाव, अवसाद एवं अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 1 जुलाई से प्रारंभ होने वाले नवप्रवेशित विद्यार्थियों के इंडक्शन कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, सकारात्मक सोच, ध्यान एवं जीवन कौशल जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर काउंसलिंग एवं सहायता सेवाओं का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को एंटी-रैगिंग नियमों, शिकायत निवारण तंत्र, मेंटर-मेंटी प्रणाली, साइबर बुलिंग से बचाव तथा जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। महाविद्यालयों में उपलब्ध काउंसलर, मेंटर, एंटी-रैगिंग समिति, आंतरिक शिकायत समिति एवं अन्य सहायता तंत्रों की जानकारी भी विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी महाविद्यालयों को निर्देशित किया है कि कार्यक्रम के लिए स्थानीय मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाए तथा नवप्रवेशित विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

साइबर सुरक्षा के प्रति स्कूलों, ग्रामों और मोहल्लों में लोगों को जागरूक करेगा रथ

एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया सेफ क्लिक 2.0 जागरूकता रथ को रवाना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुलिस द्वारा सेफ क्लिक 2.0 अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एक साइबर जागरूकता रथ रवाना किया गया। बुधवार को आजाद चैक से एसपी यशपालसिंह राजपूत ने इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एसपी ने उपस्थित नागरिकों को साइबर सुरक्षा की शपथ भी दिलाई।

एसपी श्रनी राजपूत ने बताया कि वर्तमान में साइबर ठगी के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं, जिससे लोगों का सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस साइबर सुरक्षा के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चला रही है। यह जागरूकता रथ अगले 15 दिनों तक जिले के विभिन्न शहरों, गांवों और मोहल्लों में जाकर लोगों को साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी देगा। उन्होंने बताया कि पुलिस की विशेष टीमें स्कूलों, कोचिंग संस्थानों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाकर भी लोगों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करेंगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपना ओटीपी या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई।

अब तक 1.15 करोड़ की राशि होल्ड कराई- एसपी ने जिले में साइबर ठगी से निपटने के प्रयासों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि अब तक साइबर ठगी के मामलों में लगभग 1.15 करोड़ रुपये की राशि होल्ड कराई गई है, जिसमें से करीब 45 लाख रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग भी सतर्क रहें और अंजान लिंक पर क्लीक न करें और निजी जानकारियां किसी से साझा न करें।

सिहोर और भोपाल से आए थे केबल चुराने, चढ़ गए पुलिस के हत्थे

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुनेरा थाना क्षेत्र के सोलर प्लांट से केबल चुराने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में पुलिस ने चार महिलाओं सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 5 लाख 80 हजार का माल भी जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से महिलाओं को जेल भेज दिया गया है। जबकि एक आरोपी को रिमांड पर भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार सुनेरा क्षेत्र में सोलर प्लांटों से केबल चोरी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक टीम का गठनर किया गया। वहीं 23 जून को फिर खंडेरिया माता मंदिर के पास स्थित निर्माणाधीन सोलर प्लांट से अज्ञात बदमाशों ने करीब 5 लाख रुपए मूल्य की डीसी केबल चोरी कर ली थी। इस संबंध में सुनेरा थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। 24 जून को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों मनका पति जालमराज निवासी गांधीनगर भोपाल, हाईकोट बाई निवासी सीहोर, रितिका पिता जालमराज निवासी भोपाल, तोइतना पति मोहसीन निवासी सीहोर और मोहसिन पिता अदरकोट निवासी जिला सीहोर को गिरफ्तार किया है।

जिले में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सहकारी संस्थाओं द्वारा 29 जून से 06 जुलाई 2026 तक सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम की तैयारी के लिए उप आयुक्त सहकारिता शाजापुर किला परिसर में कार्यक्रम से संबंधित विभागों के अधिकारियो की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपायुक्त सहकारिता श्री ओ.पी.गुप्ता ने संबंधित विभाग स्तर से सम्पादित किये जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में विस्तृत रूप से चर्चा की जाकर कार्यक्रम के संचालन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। कार्यक्रम अन्तर्गत सहकारी ध्वजारोहण, सहकारी गीत गायन तथा सहकारिता शपथ ग्रहण, सहकारी चौपाल का आयोजन तथा सहकारिता रथ/जन जागरण वाहन रवाना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा।

शाजापुर में मोहर्रम की 8वीं तारीख पर निकला अलम जुलूस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मोहर्रम पर्व मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को शहर में अलम का जुलूस पूरी अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोहर्रम कमेटी के मीडिया प्रभारी सैयद आफताब अली ने बताया कि जुलूस की शुरुआत बुधवार दोपहर करीब 3 बजे शहर के मनिहारवाड़ी क्षेत्र से हुई। जुलूस जैसे-जैसे आगे बढ़ा, इसमें अकीदतमंदों की भीड़ जुड़ती गई। या हुसैन और या अब्बास की गगनभेदी सदाओं के साथ जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। जुलूस के दौरान शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मुस्लिम जानकारों के अनुसार मोहर्रम के दौरान अलम निकालने की परंपरा का सीधा संबंध कर्बला के इतिहास और हजरत अब्बास की शहादत से है। मोहर्रम की 8वीं तारीख विशेष रूप से हजरत अब्बास को समर्पित है। जब कर्बला में यजीद की जालिम फौजों ने इमाम हुसैन के खेमों का पानी बंद कर दिया था, तब 8 मोहर्रम को खेमों में पानी खत्म हो गया था। छोटे-छोटे बच्चे प्यास से तड़प रहे थे। बच्चों की प्यास बुझाने के लिए हजरत अब्बास एक मश्क लेकर फरात नदी की ओर गए थे। नदी से पानी लाते समय यजीदी फौजों ने उन पर कायराना हमला कर दिया। इस हमले में उनके दोनों बाजू कट गए, लेकिन उन्होंने अलम को गिरने नहीं दिया और शहादत प्राप्त की।

बदनावर की बलवंती नाले से नदी बनने के सफर पर

13.11 करोड़ का मास्टर प्लान ग्राउंड पर उतरा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जो नदी कभी बदनावर की पहचान हुआ करती थी, दशकों की प्रशासनिक उपेक्षा और शहर की अनियंत्रित गंदगी ने उसे एक बदबूदार नाले में तब्दील कर दिया था। लेकिन अब बलवंती नदी के इस कलंक को धोने की सबसे बड़ी मुहिम शुरू हो चुकी है। 13 करोड़ 11 लाख के भारी-भरकम बजट से नदी का जो कायाकल्प किया जा रहा है, उसकी जमीनी हकीकत जानने बुधवार को नवनियुक्त ष्टरूह्र विकास डावर और जनप्रतिनिधियों की टीम खुद घुटनों तक गहरी मिट्टी और पोकलेन मशीनों के बीच ग्राउंड जीरो पर पहुंची। प्रोजेक्ट की रफ्तार और पाइपों की गुणवत्ता देख अधिकारियों ने साफ कर दिया कि यह काम सिर्फ कागजी नहीं, बल्कि बदनावर के भूगोल को बदलने वाला साबित होगा।

ग्राउंड रियलिटी - क्या है बलवंती को बचाने का ब्लूप्रिंट- इस पूरी महापरियोजना को इस तरह डिजाइन किया गया है कि शहर की गंदगी का एक कतरा भी नदी के आंचल को मैला न कर पाए। इसके लिए तीन मोर्चों पर एक साथ काम चल रहा है। जिसमे पहले स्तर पर अंडरग्राउंड सीवेज जाल नदी के दोनों किनारों पर लगभग 3-3 किलोमीटर (कुल 5.9 किमी) का एक अभेद्य अंडरग्राउंड पाइपलाइन नेटवर्क बिछाया जा रहा है। जमीन से 5 मीटर नीचे 700mm से लेकर 1000 द्व्ह्व व्यास के विशालकाय आरसीसी पाइप डाले जा रहे हैं। शहर के सभी छोटे-बड़े नालों को इन पाइपों से जोड़ने के लिए 225 कनेक्टिंग चैंबर बन रहे हैं। दूसरे भाग में गंदगी का फिल्टर (3 MLD सीवेज प्लांट) नालों का यह सारा दूषित पानी नदी में जाने के बजाय सीधे 3 MLD (30 लाख लीटर प्रतिदिन) क्षमता के अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में डंप होगा। यहाँ पानी को पूरी तरह रीसायकल (साफ) किया जाएगा और उसके बाद ही साफ पानी नदी में छोड़ा जाएगा। तीसरे भाग में - पानी रोकने का वॉटर बैंक नदी सिर्फ साफ न रहे बल्कि उसमें सालभर पानी बना रहे, इसके लिए 15 फीट ऊंचा स्टॉप डैम बनाया जा रहा है। वहीं, किनारों की मिट्टी को बहने से रोकने के लिए 500-500 मीटर की सुरक्षा दीवारें (रिटेनिंग वॉल) खड़ी की जा रही हैं।

दो फेज में हो रहा है कायाकल्प - यह प्रोजेक्ट केवल नदी सफाई तक सीमित नहीं है, इसे एक टूरिस्ट और कम्युनिटी स्पॉट के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। जिसमे फेज-1 (लागत 3.30 करोड़) - पेटलावद रोड पर नागेश्वर धाम के पास बलराम धाम में एक बेहद खूबसूरत और आधुनिक सर्वसुविधायुक्त उद्यान (पार्क) का निर्माण अंतिम दौर में है। फेज-2 (शेष राशि) - इसके तहत नदी का गहरीकरण, चौड़ीकरण और पूरा सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत फरवरी 2026 से हो चुकी है।

लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं, 5 साल की सख्त शर्तें- अक्सर सरकारी प्रोजेक्ट्स बनने के बाद रखरखाव के अभाव में दम तोड़ देते हैं, लेकिन बलवंती प्रोजेक्ट में इसका तोड़ पहले ही निकाल लिया गया है।

निर्माण एजेंसी राज कंस्ट्रक्शन, भोपाल को काम पूरा होने के बाद 5 साल तक इसका मेंटेनेंस करना होगा। गारंटी के तौर पर नगर परिषद ने एजेंसी की ?1.5 करोड़ की सुरक्षा राशि रोक ली है और ?32 लाख की एफडी भी जमा करा ली है। तकनीकी तौर पर हर पाइप को बिना कंक्रीट बेस के, सटीक स्लोप के साथ सीधे मेनहोल से जोड़ा जा रहा है।

यह बदनावर के स्वाभिमान की बहाली है- निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव और जनप्रतिनिधि शेखर यादव, संतोष चौहान, दीपक जाधव ने दो टूक कहा कि समय सीमा और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। बड़े व्यास के पाइप डालने का काम शुरू होने से प्रोजेक्ट ने रफ्तार पकड़ ली है। जब यह प्रोजेक्ट पूरा होगा, तो बलवंती नदी अपने पुराने और अविरल स्वरूप में लौटेगी, जो नए और स्वच्छ बदनावर की पहचान बनेगी।

पंच दिवसीय श्री राम मारुति महायज्ञ की पूर्णाहुति पर देशभर से पधारे संत-महात्मा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। श्री पीपली वाले हनुमान मंदिर, सियाराम आश्रम बड़नगर में गंगा दशमी के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आयोजित पंच दिवसीय श्री राम मारुति महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ संतों एवं भक्तों का भव्य भंडारा संपन्न हुआ।

इस अवसर पर इंदौर विरक्त मंडल के अध्यक्ष महामंडलेश्वर श्री राम बालक दास जी महाराज (रामायणी महाराज) अपनी संपूर्ण जमात के साथ पधारे। वहीं अयोध्या, काशी, मथुरा, चित्रकूट एवं प्रयागराज सहित देश के विभिन्न तीर्थ क्षेत्रों से अनेक संत-महात्माओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। महायज्ञ की पूर्णाहुति उपरांत संतों का झरा भंडारा संपन्न हुआ तथा बाद में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर सियाराम आश्रम बड़नगर के महंत श्री अमृत दास जी महात्यागी महाराज, वैष्णो दास जी एवं पुजारी रामानुज दास जी आचार्य द्वारा सभी संत-महात्माओं एवं अतिथियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जितेंद्र पंड्या, रामेश्वर चावड़ा, महेंद्र शर्मा, द्वारका प्रसाद शर्मा, राधेश्याम पंड्या, सत्यनारायण माली, डॉ. वासुदेव काबरा, अरविन्द व्यास, सुनील पोरवाल, विनोद मकवाना, सुनील मंडलोई, दारासिंह हलवाई, उदयसिंह, सुरेश व्यास, सतीश नीमा, प्रहलाद चावड़ा, धर्मेंद्र राठौड़, बद्रीलाल राठौड़, मनोज परमार, राजकुमार माथुर एवं भेरूलाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गंगा दशमी के पावन अवसर पर आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया तथा श्रद्धालुओं ने संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मलाभ अर्जित किया। उक्त जानकारी विनोद मकवाना ने दी गई।

मां ने अपने इकलौते बेटे को किया भारत माता को समर्पित, सेंट मार्टिन विद्यालय परिवार द्वारा किया गया सम्मान

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। देश के नाम एक बेटा अपनी जान लुटा देता है, माँ की गोद छोड़कर वह तिरंगे की शान बढ़ा देता है।

इन्हीं पंक्तियों को चरितार्थ किया है सेंट मार्टिन विद्यालय, बड़नगर के पूर्व छात्र दीपक सोयल, सुपुत्र श्री मुकेश जी सोयल ने।

हाल ही में दीपक का भारतीय सेना में चयन हुआ है। गौरतलब है कि दीपक अपने माता-पिता की एकमात्र संतान हैं।

दीपक की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने दीपक और उसके माता-पिता का पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर दीपक के माता-पिता ने विद्यालय के संस्थापक श्री एंथनी जॉर्ज एवं प्रधानाचार्य श्रीमती जेनेट जॉर्ज को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और विद्यालय के अनुशासन के कारण ही आज उनका बेटा इस मुकाम तक पहुँच पाया है। दीपक ने भी अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय सेंट मार्टिन विद्यालय परिवार को दिया। संस्था की प्राचार्य श्रीमती जेनेट जॉर्ज ने दीपक के विद्यालय जीवन के संस्मरण सुनाए, जिससे अन्य विद्यार्थी अत्यंत प्रेरित हुए।

संस्था के संस्थापक श्री एंथनी जॉर्ज ने इस अवसर पर दीपक को बधाई देते हुए आशीर्वाद प्रदान किया एवं उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी विद्यालय शिक्षिका श्रीमती किरण सुखवाल ने दी।

आयुष अजमेरा बने माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष, केशव कांकाणी को मिली सचिव की जिम्मेदारी

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महेश नवमी पर्व के अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन बड़ावदा के निर्वाचन संपन्न हुए, जिसमें संगठन की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से आयुष अजमेरा को अध्यक्ष एवं केशव कांकाणी को सचिव नियुक्त किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में गगन मुंदड़ा एवं केशव तोषनीवाल को उपाध्यक्ष, हर्षित लड्ढा एवं मंगलम सोडाणी को सहसचिव, अंशुल अजमेरा को कोषाध्यक्ष, अमन लड्ढा को संगठन मंत्री, आशुतोष अजमेरा एवं अर्पित अजमेरा को उत्सव प्रभारी तथा मोहित अजमेरा को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर संगठन के सदस्य अंकित अजमेरा, पंकज काबरा, शुभम अजमेरा, रजत अजमेरा, आकाश लड्ढा, चेतन लड्ढा, अरुण अजमेरा, हरि अजमेरा, भावेश कांकाणी, नीलेश अजमेरा, आदित्य अजमेरा, दीपक सोडाणी सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी समाजहित, युवा उत्थान एवं संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देने का कार्य करेगी। महेश नवमी के पावन अवसर पर हुए इस निर्वाचन को समाज के युवाओं में उत्साह और नई ऊर्जा का प्रतीक बताया गया।

आगर मालवा में 'SAFE CLICK-2026' साइबर जागरूकता अभियान शुरू, जागरूकता रथ रवाना

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों से बचाव के लिए मध्यप्रदेश पुलिस का राज्यस्तरीय अभियान SAFE CLICK-2026 मंगलवार को आगर मालवा में शुरू हुआ। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मीटिंग हॉल में आयोजित कार्यक्रम में एसपी दिलीप कुमार सोनी ने साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का संचालन साइबर प्रभारी उपनिरीक्षक राखी गुर्जर ने किया। सरस्वती वंदना के बाद एसपी सोनी ने कहा कि ऑनलाइन ठगी, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और सोशल मीडिया हैकिंग के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और OTP व बैंक डिटेल किसी से शेयर न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 या पोर्टल http://www.cybercrime.gov.in पर शिकायत करें। सीएम डॉ. मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाना ने भोपाल से यूट्यूब लाइव के जरिए पूरे प्रदेश में अभियान का शुभारंभ किया। आगर के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने भी प्रसारण देखा।

15 दिन तक चलेगा अभियान - एसपी ने बताया कि ये रथ अगले 15 दिन तक जिले के शहर और गांवों में जाएगा। इस दौरान साइबर चौपाल, स्कूल-कॉलेज में संवाद, पेम्फलेट वितरण और सोशल मीडिया कैंपेन चलेंगे।

कार्यक्रम में एसपी रवींद्र कुमार बोयट, एस डी ओपी मोतीलाल कुशवाहा, कोतवाली टीआई शशि उपाध्याय, निरीक्षक प्रहलाद सिंह दलोदिया, सूबेदार जगदीश यादव समेत पुलिसकर्मी ओर पत्रकार मौजूद रहे।

मोहर्रम के जुलूस में पुलिस बल की व्यवस्था करने हेतु थाना प्रभारी को सौंपा आवेदन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को सुसनेर के शहर काजी हाफिज नवाब खान के नेतृत्व में पुलिस थाना पहुंचकर मुस्लिम समाजजन ने मोहर्रम के जुलूस में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु विशेष पुलिस बल की व्यवस्था करने के लिए थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस को आवेदन सौंपा।

मुस्लिम समाजजन द्वारा थाना प्रभारी को सौंपे गए आवेदन में बताया गया कि इमाम हुसैन की याद में मोहर्रम का पर्व मनाया जाता है। यंहा पर सभी धर्म के लोग एक दुसरे के त्यौहार में शामिल होकर त्यौहार मनाते है। 25 जून को रात्रि 10 बजे से मोहर्रम का जुलूस शुरू होगा जो इतवारिया बाजार से मेन मार्केट, स्टेट बैंक चौराहा, हाथी दरवाजा, सब्जी मार्केट से होते हुए पुनः इतवारिया बाजार पहुंचेगा। जिसके बाद 26 जून को सुबह 11 बजे 1 ताजिया शाम को 6 बजे इतवारिया से जुनि कचहरी में मुकाम लगाकर इतवारिया बाजार में आयेगा। सभी ताजिया इतवारिया बाजार में एकत्रित रहेंगे। और 26 जून की रात्रि 12 बजे समापन होगा। इस दौरान मुस्लिम समाजजन मौजूद थे।

मादक नशीले पदार्थो का उपयोग दण्डनीय अपराध - जिला न्यायाधीश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय हाई स्कूल बोराली में नालसा डान स्किम 2025 के अंतर्गत मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवम अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में जिला न्यायाधीश श्रीमान जी सी मिश्रा ,मानव अधिकार एक्टिविस्ट एवं पी एल वी जयेश राजपुरोहित , ग्राम पंचायत बोराली सरपंच श्रीमती नारायण कुंवर जाट व संस्था प्राचार्या श्रीमती नर्मदा अजवेल मंचासीन थे।

जिला न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि जितने भी तरह के नशीले पदार्थ है जो नारकोटिक्स एवं साइकॉट्रॉपिक ड्रग के अंतर्गत आते हैं उनका उपयोग एवम बगैर अनुज्ञा के परिवहन एवं उत्पादन दंडनीय अपराध के अंतर्गत आता है।

साथ ही ज्यादातर अपराध नशे के कारण ही घटित होते हैं इसके लिए विभिन्न कानून बनाए गए लेकिन कानून का काम अपराध घटित होने के बाद शुरू होता है हमें जागरूक रहकर हमारे साथ कोई अपराध घटित ना हो ऐसा बनना है विद्यार्थी जीवन साधना काल है जीवन के यह 7 से 8 साल आपने बगैर किसी गलत राह को चुने अच्छी पढ़ाई कर कर अच्छी मेहनत से निकाल लिए तो निश्चित ही आप आगे चलकर किसी उच्च पद पर आसीन हो जाएंगे अपना, अपने परिवार का ,एवं अपने विद्यालय व शिक्षक शिक्षिकाओं का नाम रोशन करेंगे

विद्यार्थी काल मे अनुशासन का महत्व व लक्ष्य तय करके उसे प्राप्त करने के लिए जी जान से मेहनत करने के बारे में बताया - जयेश राजपुरोहित ने अपने उद्बबोधन ने बताया कि माता-पिता के ऊपर संतान के जीवन निर्माण का कठिन दायित्व होता है साथ ही शिक्षक शिक्षिकाओं के ऊपर छात्र छात्राओं के भविष्य निर्माण का दायित्व होता है लेकिन आज के इस स्वच्छंदता पूर्ण विलासिता युक्त टेक्नोलॉजी के युग में बच्चों की संस्कारों की पूंजी को बचा कर रखना बहुत मुश्किल हो गया है आज के इस युग में बच्चे छोटी उम्र में कई तरह के नशे आदि हो रहे हैं एवं उससे अपना शरीर व भविष्य दोनों खराब कर रहे हैं जयेश राजपुरोहित ने गतिविधि के माध्यम से उपस्थित छात्र छात्राओं को बताया कि स्व नियंत्रण कैसे रखा जाता है हमें किसी भी तरह के व्यसन के आदी नहीं होने के लिए दृढ़ संकल्पित रहना है साथ ही यदि नशा करना भी है तो अच्छे से पढ़ लिख कर किसी बड़े पद पर आसीन होने का लक्ष्य बनाकर अच्छी मेहनत से पढ़ने का नशा करना है नशे कई प्रकार के होते हैं नशीले पदार्थों के सेवन के अतिरिक्त मोबाइल सोशल मीडिया फेसबुक व्हाट्सएप आदि की लत लग जाने से हमारा समय व्यर्थ होता है साथ ही किशोरावस्था में लड़के लड़कियां आपस में मित्र होकर प्रेम प्रसंग के चक्कर में पढ़कर अपना भविष्य खराब कर लेते हैं एवं कई मामलों में लड़कियों के साथ यौन अपराध घटित हो जाते हैं इन सब से हमें सावधानी रखना चाहिए कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती का पूजन व दिप प्रज्वलन किया गया कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं, विद्यालय का स्टाफ ,अभिभावक एवं न्यायालय कर्मचारी उपस्थित थे कार्यक्रम का आभार व्यक्त प्राचार्या श्रीमती नर्मदा अजवेल मैडम द्वारा किया गया।

माहेश्वरी समाज नागदा सचिव मनोनीत होने पर प्रकाश मालपानी का हुआ सम्मान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गोपाल गौशाला में समिति द्वारा गो-सेवक प्रकाश मालपानी को माहेश्वरी समाज नागदा सचिव पद पर मनोनित होने पर समिति एवं नित्य सेवा देने वाले गोभक्तो द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए सम्मानित किया गया एवं उनके उज्वल भविष्य कि कामना की गई। इस अवसर पर चेन सिंह रघुवंशी, एल.एन. भावसार, विजय व्यास, बादाम सिंह परिहार, गोपी किशन लड्ढा, आनन्द जी गगरानी, प्रभु शंकर मालपानी, विजय गुजराती, नितीन बुडावन वाला, पारस पोखरना, सुन्दर लाल उपाध्याय, संजय चैहान, कैलाश राठोर, राजुराव, रमेश सोनी, मांगीलाल पांचाल आदि उपस्थित थे।

बदनावर में महेश नवमी की धूमः प्रभात फेरी निकाली, मेधावी छात्रों और नव-नियुक्त CA का हुआ सम्मान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महेश नवमी के पावन पर्व पर स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों का गरिमामय आयोजन किया गया। सुबह समाजजनों द्वारा नगर में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के महिला, पुरुष और बच्चे भजनों की धुन पर थिरकते और जय महेश के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

महादेव का अभिषेक और पूजन- प्रभात फेरी के पश्चात पीपलेश्वर महादेव मंदिर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। यहाँ श्याम सुंदर बल्दवा परिवार के सौजन्य से भगवान महेश (शिव जी) का अत्यंत श्रद्धाभाव से अभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन किया गया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने समाज और देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

बैठक में समाज के विकास पर हुई चर्चा- धार्मिक अनुष्ठानों के बाद आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मंच पर समाज के वरिष्ठ रमेशचंद्र जी माहेश्वरी बद्रीलाल माहेश्वरी, समाज अध्यक्ष मनोज सोमानी, सचिव संतोष बाहेती, उपाध्यक्ष दीपक माहेश्वरी एवं कोषाध्यक्ष मोहन सोमानी अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

कार्यक्रम की शुरुआत में युवा संगठन अध्यक्ष गौरव सोमानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा मधुर महेश वंदना प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात समाज अध्यक्ष मनोज सोमानी ने समाज के आगामी कार्यक्रमों और महेश्वरम (समाज की गतिविधियों) के आगे के कार्यों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। वहीं, समाज के आय-व्यय का लेखा-जोखा सौरभ बल्दवा एवं मोहन सोमानी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

प्रतिभाओं का हुआ बहुमान और अभिनंदन- धार्मिक आयोजनों के साथ ही समाज ने अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक प्रतिभाओं को भी मंच से प्रोत्साहित किया गया।

चार्टर्ड अकाउंटेंट का सम्मान- देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक CA परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज का नाम रोशन करने वाले विशाल बियानी का समाजजनों द्वारा विशेष अभिनंदन पत्र व सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन विजय सोमानी द्वारा किया गया।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान- कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं कक्षा 12वीं- हिमाद्रि चांडक एवं प्रयाग सोमानी। कक्षा 10वीं- रूपांशी बल्दवा, प्रणीत सोमानी एवं अनय सोमानी।

कार्यक्रम का सफल संचालन मयंक सोमानी ने किया तथा आभार प्रदर्शन शिशिर बल्दवा द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे। साथ ही संपूर्ण माहेश्वरी समाज का सहभोज महेश्वरम पर रखा गया।

मोहर्रम पर्व को लेकर प्रशासन ने किया जुलूस मार्ग का निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी मोहर्रम पर्व के मद्देनज़र प्रशासन एवं पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार की शाम को नायब तहसीलदार राजेश श्रीमाल, नगर परिषद सीएमओ हरिओम शर्मा तथा थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस ने संयुक्त रूप से अपनी टीम के साथ मोहर्रम जुलूस के निर्धारित मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जुलूस मार्ग पर साफ-सफाई, सड़क की स्थिति, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण की जाएं। प्रशासन ने नागरिकों से भी आपसी भाईचारे एवं शांति बनाए रखते हुए पर्व मनाने की अपील की।

2 दिनों में नामांकन, साइकिल वितरण, अपार आईडी और किताब वितरण कार्य करें पूर्ण - कलेक्टर

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षा विभाग के कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं संकुल प्राचार्यो को निर्देश दिए कि जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के नामांकन, साइकिल वितरण, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण तथा अपार आईडी निर्माण का कार्य आगामी दो दिवस में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन रोकने सहित की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि मैपिंग कार्य में सीहोर विकासखंड ने 93.54 प्रतिशत, आष्टा ने 93.30 प्रतिशत, बुधनी ने 92.94 प्रतिशत, इछावर ने 92.29 प्रतिशत तथा भैरूंदा विकासखंड ने 91.15 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया है। भैरूंदा विकासखंड की अपेक्षाकृत कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में शासकीय विद्यालयों में निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कर उसकी प्रविष्टियां पोर्टल पर अद्यतन करने के निर्देश भी दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के कुल 2 लाख 61 हजार 866 छात्र-छात्राओं में से 1 लाख 93 हजार 673 विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई जा चुकी है।

साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 के तहत सुसनेर में आमजन को किया जागरूक

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा राज्य स्तरीय साइबर जागरूकता अभियान सेफ क्लिक 2.0 का शुभारंभ किया गया है। यह प्रदेशव्यापी अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, साइबर अपराधों और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना है। इसी अभियान के अंतर्गत बुधवार को सुसनेर थाना पुलिस द्वारा थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस के नेतृत्व में नगर के हाथी दरवाजा क्षेत्र में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने आमजन को साइबर अपराधों से बचने के लिए आवश्यक जानकारी दी तथा ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों से सतर्क रहने की अपील की। कार्यक्रम में लोगों को बताया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें तथा सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। यदि किसी व्यक्ति के साथ साइबर धोखाधड़ी होती है तो वह तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या cyber-crime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर सकता है। थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस ने कहा कि बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना आवश्यक है। सावधानी और सतर्कता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। अभियान के दौरान नागरिकों को साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित किए गए तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया।

ट्रांसफार्मर सुधार के दौरान करंट लगने से विद्युत कर्मी की मौत, 5 घंटे तक पोल पर लटका रहा शव

मुआवजा व अनुकंपा नियुक्ति की मांग पर अड़े परिजन, देर रात आश्वासन के बाद उतारा गया शव

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोयत कला डोंगरगांव ग्राम बराई में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में ट्रांसफार्मर की मरम्मत कर रहे विद्युत कर्मी की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक का शव करीब पांच घंटे तक विद्युत पोल पर ही लटका रहा। घटना से गांव में आक्रोश फैल गया और परिजन व ग्रामीणों ने बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मुआवजा, अनुकंपा नियुक्ति और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर शव नीचे उतारने से इंकार कर दिया।

जानकारी के अनुसार ग्राम बराई निवासी चेन सिंह कंडारा बुधवार दोपहर करीब 2~30 बजे ट्रांसफार्मर की मरम्मत का कार्य कर रहे थे। बताया गया कि उन्होंने कार्य शुरू करने से पहले ग्रिड से विधिवत परमिट लेकर विद्युत सप्लाई बंद करवाई थी। इसके बावजूद अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद उनका शव बिजली के पोल पर ही फंसा रह गया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर एसडीओपी देवनारायण यादव, सोयत थाना प्रभारी रामगोपाल वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

पहले भी थी हादसे की आशंका, नहीं हुई कार्रवाई- ग्रामीण बजरंग गुर्जर, रामकरण गुर्जर, महेश लौहार एवं मंगल लोहार ने बताया कि जनवरी माह में बिजली विभाग के उप सहायक यंत्री को आवेदन देकर गांव की आबादी से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग की गई थी। इसके बाद अप्रैल में ग्राम पंचायत ने भी जनहानि की आशंका जताते हुए प्रस्ताव भेजा था, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का आरोप है कि नीचे लटके बिजली के तार लंबे समय से दुर्घटना को न्योता दे रहे थे और विभाग लगातार शिकायतों की अनदेखी करता रहा।

मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति की मांग पर अड़े रहे परिजन- हादसे के बाद परिजन और ग्रामीणों ने मृतक का शव नीचे उतारने से साफ इंकार कर दिया। उनका कहना था कि जब तक बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और अनुकंपा नियुक्ति का लिखित आश्वासन नहीं देंगे, तब तक शव नहीं उतारा जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी मांग की कि दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे, देर रात बनी सहमति- शाम होते-होते आगर से बिजली विभाग के जिला अधिकारी एसई रतनेश अय्याची और सुसनेर से डीई सिद्धार्थ भमोरी घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों एवं ग्रामीणों से चर्चा कर शासन स्तर पर 50 लाख रुपये मुआवजे का प्रस्ताव भेजने तथा विभागीय प्रक्रिया के तहत करीब 9 लाख रुपये की सहायता राशि एक माह के भीतर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया नियमानुसार कराने का भरोसा भी दिलाया।

काफी देर तक चली समझाइश और आश्वासन के बाद रात करीब 8 बजे परिजन व ग्रामीण माने, जिसके बाद विद्युत विभाग और पुलिस की मौजूदगी में शव को पोल से नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए सोयत अस्पताल भेजा गया। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

विधायक ने भी जताई नाराजगी- घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक भेरोसिंह बापू ने दूरभाष पर अधिकारियों से चर्चा कर मामले को गंभीर लापरवाही बताते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। वहीं भाजपा नेता मोहन सिंह भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिजली विभाग समय रहते शिकायतों पर कार्रवाई करता और सुरक्षा मानकों का पालन होता, तो एक मेहनतकश विद्युत कर्मी की जान नहीं जाती। अब सभी की नजर इस बात पर है कि प्रशासन और बिजली विभाग अपने आश्वासनों को कब तक पूरा करते हैं।

इनका कहना- यह कोई हादसा नहीं, बल्कि बिजली कंपनी की घोर लापरवाही का नतीजा है। बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा उपकरणों के कर्मचारियों से काम कराया जा रहा है, जिससे आए दिन उनकी जान जा रही है। लेकिन मृतकों के परिजनों को समय पर उचित मुआवजा तक नहीं मिलता। हमारी नजर में यह व्यवस्था कर्मचारियों के लिए मौत का अड्डा बन चुकी है। सरकार और बिजली कंपनी को इसकी जवाबदेही तय करनी चाहिए।

-मनोज भार्गव, प्रांतीय संयोजक, बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन भोपाल

भाजपा नेता जसवंत बंजारा बोले- निरंतर पाँच बार विधानसभा चुनाव जीतना कोई बच्चों का खेल नही

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिस नेता ने क्षेत्र के विकास के लिये दिन रात एक कर दिया है , आनेवाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिये स्वयं को खपा दिया है,जो हर व्यक्ति की बात सुनता है और बड़े भाई की तरह क्षेत्रवासियों का ध्यान रखता है । उसकी प्रतिष्ठा पर कीचड़ उछालना आखिर किस संस्कार को दर्शाता है। रतनगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष जसवंत बंजारा ने बीते दिनों बांगरेड में हुई घटनाकर्म की घोर निंदा करते हुए बताया कि कुछ स्वार्थी मौकापरस्त ओर हंगामा प्रिय लोग जनता और जनप्रतिधि के बीच के सुंदर रिश्ते को खराब करने में लगे हुए है। भाजपा नेता श्री बंजारा ने बताया कि जिस विकास पुरुष पर आप शब्दो से हमला कर रहे है वह प्रतिदिन क्षेत्र के विकास ,जन समस्याओ ओर भविष्य की चिंता में लगा हुआ है। आपकी घटिया हरकतों ओर गलत बयानबाजी उनकी छवि पर कोई असर नही डाल सकती ध्यान रहे कि विरोधियों द्वारा आयोजित षडयंत्र जो आसमान पर थूकने जैसा है । आपका यह कृत्य जो थूक आप फेक रहे है वह आकर आपके अपने ही मुह पर ही गिरेगा मंडल अध्यक्ष श्री बंजारा ने बताया कि जावद क्षेत्र की जनता सभ्य सुसंस्कृत ओर सम्मान देने वाली है आइए हम सब इस संस्कार को बनाये रखे । हम सब इस षड्यंत्र पर असहमति जताए, मांगे रखे लेकिन मर्यादा की रेखा कभी न लांघे जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिधि के खिलाफ अमर्यादित ओर अपमानजनक शब्दो का उपयोग करनाअत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय है। यह न केवल हमारी लोकतांत्रिक मर्यादाओं का हनन है बल्कि जनादेश का भी अपमान है । श्री बंजारा ने कहा कि सार्वजनिक जीवन मे हमेशा सभ्य ओर सम्मानजनक भाषा का प्रयोग ही स्वस्थ राजनीति की पहचान होती है । राजनीति में मतभेद स्वाभाविक है लेकिन मतभेद की आड़ में मर्यादा का उल्लंघन स्वीकार नही हो सकता सार्वजनिक जीवन मे शब्द केवल बयान नही होते वे व्यक्ति के संस्कार सोच ओर लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का परिचय देते है ।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को भाजपा ने किया नमन, नीमच में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया बलिदान दिवस

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला नीमच द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, महान शिक्षाविद् एवं अखंड भारत के प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बलिदान दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत रोटरी डायमंड पार्क के बाहर स्थापित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद भाजपा कार्यालय तपोभूमि में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। सभा को संबोधित करते हुए नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अलग व्यवस्था का विरोध करते हुए एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा दिया और इसी संकल्प को लेकर संघर्ष करते हुए 23 जून 1953 को अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटना उनके सपनों को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

बड़नगर के साहित्यकार डॉ प्रेमचंद द्वितीय कवि प्रदीप चौबे सम्मान से सम्मानित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जन परिषद के 37वें वार्षिक एवं सम्मान समारोह का आयोजन रवीन्द्र भवन, भोपाल में सम्पन्न हुआ। समारोह में भारत के पूर्व राजदूत एवं अंतरराष्टीय संबंधों के अग्रणी ज्ञाता दीपक वोहरा, एसीएस अनुपम राजन आय ए एस. तथा एयर मार्शल श्री प्रमोद श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया।विभिन्न सम्मानों से सम्मानित विभूतियां

समारोह में एंबेसडर ऑफ एक्सीलेंस सम्मान से पूर्व राजदूत दीपक वोहरा (नई दिल्ली) को सम्मानित किया गया। एक्सीलेंट गार्जियन ऑफ द हार्ट सम्मान से डॉ. सुब्रतो मंडल ,तथा समाज में एक्सीलेंट गतिविधि करने वाले तथा साहित्यकार ,व्यंग्यकार बड़नगर के डॉ प्रेमचंद द्वितीय को, कवि प्रदीप चौबे सम्मान से सम्मानित किया गया । विजय खंडेलवाल सम्मान मनोज तिवारी (गढ़ाकोटा) को तथा ललित श्रीवास्तव सम्मान श्री मोहन परिहार को प्रदान किया गया।कुलभूषण दल्लौरी सम्मान से श्री ललित अग्रवाल (इंदौर), श्री अमित शर्मा एवं श्री आशीष श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।राजकमल श्रीवास्तव सम्मान डॉ. रूबी खान को प्रदान किया गया।समारोह में जन परिषद के पदाधिकारी, सदस्यगण, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समारोह में जन परिषद के संयोजक राम जी श्रीवास्तव ने साहित्यकार प्रेमचंद द्वितीय के बारे में बताया कि आपके नेतृत्व में अविभाजित मध्य प्रदेश के करीब 3000 से अधिक प्रोफेसरों को नियमितीकरण के आंदोलन में सफलता हासिल की।

समारोह में अपने प्रेरक उद्बोधन में पूर्व राजदूत श्री दीपक वोहरा ने कहा कि जन परिषद की 37 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, उसके सेवा कार्यों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित पहचान को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आने वाली पीढ़ियां जन परिषद के रचनात्मक गीतों को गुनगुनाएंगी। श्री वोहरा ने आचार्य चाणक्य के छह सूत्रों को सरल एवं प्रेरक ढंग से प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि, बल्कि पूरा विश्व आशा और विश्वास की दृष्टि से भारत की ओर देख रहा है।एसीएस अनुपम राजन आयएएस ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज के विकास में जनभागीदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

एयर मार्शल श्री प्रमोद श्रीवास्तव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना होगा

कार्यक्रम के प्रारंभ में जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी ने स्वागत भाषण दिया।

कार्यक्रम का वार्षिक प्रतिवेदन महेंद्र जोशी ने प्रस्तुत किया - कार्यक्रम का संचालन संयोजक श्री रामजी श्रीवास्तव ने किया तथा अंत में आभार अजय श्रीवास्तव नीलू ने माना ।

जिले में सभी वाहन दुघर्टना पीडितों को पी.एम.राहत योजना तहत प्रकरण बनाकर लाभांवित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में पीडितों को सपीएमठ्ठराहतठ्ठयोजना के तहत त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। दुर्घटना पीडित के अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती होने के साथ ही उसका ऑनलाईन प्रकरण तैयार कर लाभांवित किया जाए। सभी अस्पतालों में पी.एम.राहत योजना के तहत दुर्घटना पीडितों को त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बुधवार को आयोजित बैठक में दिए।

बैठक में एसपी श्री राजेश व्यास, एडीएम श्री बी.एस.कलेश समिति सदस्य, सभी निर्माण विभागो के कार्यपालन यंत्री व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में यातायात थाना प्रभारी सुश्री सोनू बडगुर्जर ने जनवरी से जून 2026 तक की गई कार्यवाही की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया, कि परिवहन एवं यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से ब्लेक फिल्म लगे 426 वाहनों पर कार्यवाही कर 2.13 लाख का शमन शुल्क वसूल किया है। ओव्हर स्पीड, ओव्हर लोड, बगैर फिटनेस एवं मोटर व्हीकल एक्ट के उल्लंघन पर की कार्यवाही कर 83 हजार रूपये का शमन शुल्क वसूल किया गया है।

कलेक्टर ने यात्री वाहन मालिको की बैठक लेकर उन्हें वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण, उनका चरित्र सत्यापन, पुलिस समाधान करवाने हेतु पाबंद करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा, कि कोई भी वाहन चालक मद्यपान कर यात्री वाहन ना चलाए। इसके लिए निजी यात्री वाहन संचालकों को पाबंद किया जाए। साथ ही सभी यात्री एवं स्कूल वाहनों की फिटनेस, आपात द्वार, पेनिक बटन सहित माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करवाए।

बैठक में जीवन संजीवनी अभियान की भी विस्तार से जानकारी दी गई और आमजनों से इस अभियान से जुड़ने का आव्हान किया गया। लो.नि.वि.के कार्यपालन यंत्री को सभी ब्लेक स्पाट का तकनीकी रूप से परीक्षण कर, सड़क सुरक्षा मानकों की दृष्टि से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गये।

स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन पर आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं की हड़ताल स्थगित

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आशा-ऊषा महिला संगठन (मध्यप्रदेश) द्वारा 26 मई 2026 से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन के बाद एक माह के लिए स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में संगठन ने मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल अस्पताल सुसनेर को ज्ञापन सौंपकर हड़ताल स्थगित करने की सूचना दी। बुधवार को हड़ताल स्थगित होने के बाद सुसनेर के सामूहिक मनकामेश्वर मंदिर परिसर में आशा-ऊषा महिला संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन, संगठन के निर्णय एवं आगामी रणनीति पर चर्चा की। इसके बाद सभी आशा कार्यकर्ताओं ने नगर में रैली निकालकर संगठन की एकजुटता का संदेश दिया।

रैली एवं बैठक में प्रदेश मीडिया प्रभारी संगीता यादव, जिला महासचिव लाभुबाई सूर्यवंशी, ब्लॉक अध्यक्ष मंजूलता मेवाड़ा, उपाध्यक्ष यशोदा शर्मा सहित ब्लॉक की पूरी टीम तथा बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि 24 जून से सभी आशा कार्यकर्ता अपने-अपने ग्राम एवं वार्डों में नियमित रूप से स्वास्थ्य सेवाएं देंगी। साथ ही स्पष्ट किया गया कि यदि एक माह के भीतर सरकार द्वारा आशा-ऊषा कार्यकर्ताओं की लंबित मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन पुनः अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के लिए बाध्य होगा। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा जनस्वास्थ्य सेवाओं का नियमित संचालन करने का आह्वान किया गया।

कलयुग में सतयुग! बैंक खाते में अचानक आए 7 लाख से ज्यादा! जानिए फिर क्या हुआ?

अहमदाबाद मंदिर के 7.28 लाख गलती से आए खाते में, नीमच की पार्षद ने तुरंत लौटाए! जीत लिया सबका दिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के इस कलयुग में जहां लोग एक-एक पैसे के लिए अपनों से लड़ जाते हैं, वहीं नीमच से ईमानदारी की एक ऐसी झकझोर देने वाली मिसाल सामने आई है, जिसने हर किसी का सिर फख्र से ऊंचा कर दिया है। नीमच नगर पालिका परिषद की सक्रिय और जागरूक पार्षद श्रीमती सुमित्रा मुकेश पोरवाल ने ईमानदारी का वो परिचय दिया है, जिसकी गूंज अब पूरे इलाके में सुनाई दे रही है!

कैसे हुआ यह बड़ा उलटफेर- मामला तब शुरू हुआ जब स्वामीनारायण मंदिर ट्रस्ट, अहमदाबाद की एक भारी-भरकम राशि, जो कि ?7,28,000 थी, तकनीकी गड़बड़ी की वजह से गलती से पार्षद सुमित्रा पोरवाल के बैंक ऑफ बड़ौदा (पुस्तक बाजार शाखा) के खाते में ट्रांसफर हो गई। ICICI बैंक के माध्यम से हुए इस ऋक्षत्तस (ट्रांजैक्शन नंबर~ 42024102800589483) के बाद बैंक ने सुरक्षा कारणों से खाता होल्ड पर डाल दिया था।

बैंक पहुंचते ही उड़े होश, फिर जो हुआ- कई दिनों बाद जब पार्षद श्रीमती पोरवाल अपने खाते से पैसे निकालने बैंक पहुंचीं, तो उन्हें इस बात की भनक लगी। लाखों रुपये खाते में देखकर कोई भी डगमगा सकता था, लेकिन श्रीमती सुमित्रा पोरवाल का ईमान टस से मस नहीं हुआ! उन्होंने पल भर की भी देरी नहीं की।

पार्षद श्रीमती सुमित्रा पोरवाल ने बताया कि ~ जैसे ही उन्हें पता चला कि यह पैसा किसी आम इंसान का नहीं बल्कि %स्वामीनारायण मंदिर ट्रस्ट% का है, उन्होंने तुरंत बैंक मैनेजर से संपर्क किया। यह पैसा मेरा नहीं है, इसे तुरंत इसके असली हकदार तक पहुंचाएं।

श्रीमती पोरवाल के निर्देश पर बैंक प्रबंधन ने तत्काल मुस्तैदी दिखाते हुए पूरी की पूरी ?7,28,000 की राशि वापस स्वामीनारायण मंदिर ट्रस्ट, अहमदाबाद के खाते में भेज दी।

बैंक मैनेजर ने किया सैल्यूट, मिला सम्मान- पार्षद की इस बेमिसाल और अकल्पनीय ईमानदारी को देखकर बैंक प्रबंधक और वहां मौजूद स्टाफ भी दंग रह गया। बैंक मैनेजर ने सार्वजनिक रूप से सुमित्रा पोरवाल की इस नेकदिली की जमकर तारीफ की और उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया।

पार्षद की जनता से बड़ी अपील~ लालच छोड़ें, ईमानदारी चुनें- इस पूरे घटनाक्रम के बाद पार्षद श्रीमती सुमित्रा मुकेश पोरवाल ने आम जनता को एक बेहद खूबसूरत और सीख देने वाला संदेश दिया है!

अगर कभी भी आपके खाते में गलती से किसी और का पैसा आ जाए, तो लालच में न आएं।

उसे तुरंत पूरी ईमानदारी के साथ वापस लौटाएं ताकि भेजने वाला व्यक्ति परेशान न हो।

मनासा में दर्दनाक हादसा : निर्माणाधीन कुएं में धंसी मिट्टी, ठेकेदार की मौत; दो मजदूर घायल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मनासा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मालाखेड़ा में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन कुएं में कार्य के दौरान अचानक गीली मिट्टी धंस जाने से एक ठेकेदार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो मजदूर घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार ग्राम मालाखेड़ा निवासी रामप्रसाद ओकर पिता लालू बंजारा के खेत पर कुएं का निर्माण कार्य चल रहा था। निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार और मजदूर कुएं के अंदर काम कर रहे थे।

मुख्यमंत्री हो या मंत्री गलत तरीके से सम्पति अर्जित करने पर हो कार्यवाही-अजय सिंह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधानसभा से सात बार विधायक रह चुके अजय सिंह ने कहा है कि संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति द्वारा यदि गलत तरीके से संपत्ति अर्जित की जाती है तो उसके खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होना चाहिए। उन्होंने सागर मंथन से कहा कि जमीन खरीदना अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन यदि किसी व्यक्ति द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर सरकारी योजनाओं का लाभ किसी विशेष भूमि को पहुंचाकर उसकी कीमत बढ़ाई जाए और उससे व्यक्तिगत लाभ लिया जाए, तो यह गंभीर विषय है।नीमच प्रवास के दौरान गांधी भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद अजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े भूमि खरीद प्रकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार इस मुद्दे को उठा रही है। उनका कहना था कि यदि आरोपों में तथ्य हैं तो मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही सभी के लिए समान है,चाहे वह मंत्री हो या मुख्यमंत्री।अजय सिंह ने कहा कि उन्हें कांग्रेस संगठन द्वारा पूरे मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूत करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में वे प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। सागर मंथन उनका मुख्य उद्देश्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट करना,पुराने एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पुनः सक्रिय करना तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर ऐसे समर्पित कांग्रेसजन हैं जो किसी कारणवश सक्रिय राजनीति से दूर हो गए हैं। पार्टी का प्रयास है कि ऐसे अनुभवी कार्यकर्ताओं को पुनः संगठन से जोड़ा जाए और उनकी ऊर्जा तथा अनुभव का लाभ कांग्रेस को मिले। अजय सिंह ने विश्वास जताया कि संगठनात्मक मजबूती और कार्यकर्ताओं की एकजुटता के बल पर कांग्रेस आगामी चुनावों में मजबूती से मैदान में उतरेगी।नीमच सहित प्रदेशभर में चल रहे इस संगठनात्मक अभियान को कांग्रेस की आगामी चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व संगठन विस्तार, कार्यकर्ता संवाद और जनसंपर्क के माध्यम से आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटा हुआ है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन के निजी स्कूलों की चमक के पीछे बदहाल हकीकत

एडमिशन शुरू होते ही अभिभावकों की जेब पर बोझ- कई स्कूलों में न योग्य शिक्षक, न साफ-सफाई और न ही सुरक्षित परिवहन व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में नए शिक्षा सत्र के लिए निजी स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उज्जैन नगर सीमा में करीब 150 से अधिक निजी विद्यालय संचालित हैं, लेकिन इनमें से कई स्कूलों की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। बाहर से आधुनिक और आकर्षक दिखने वाले अनेक स्कूलों के अंदर की तस्वीर कुछ और ही बयां करती है। अभिभावकों का आरोप है कि मोटी फीस वसूलने के बावजूद बच्चों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं।

जानकारी के अनुसार कई निजी विद्यालयों में हर साल नए शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। इनमें से कुछ शिक्षकों के पास आवश्यक शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण तक नहीं होता। बार-बार शिक्षकों के बदलने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और शिक्षा की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते हैं।

स्कूल परिसरों में साफ-सफाई की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। कई जगहों पर पानी की टंकियों की नियमित सफाई नहीं होती, जबकि शौचालय और बाथरूम गंदगी से भरे रहते हैं। इससे विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है और उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी रहती है।

परिवहन व्यवस्था को लेकर भी अभिभावकों में नाराजगी है। स्कूल बसों और वाहनों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। कई वाहन क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर संचालित किए जाते हैं, जबकि सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं भी अधूरी रहती हैं। इतना ही नहीं ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए नियमानुसार अनिवार्य खेल के मैदान भी नहीं है। जिससे बच्चों का शारीरिक और बौद्धिक विकास नहीं हो पा रहा। कई स्कूल तो किराए के घरों और सकरी गलियों में संचालित हो रहे हैं, जहां बच्चों को शुद्ध हवा और प्राकृतिक प्रकाश तक नहीं मिल पा रहा। वहीं फीस और अन्य शुल्कों को लेकर भी अभिभावक परेशान हैं। उनका कहना है कि प्रवेश शुल्क, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क और अन्य मदों के नाम पर भारी रकम वसूली जाती है। इसके अलावा कई स्कूलों में आज भी यूनिफॉर्म, किताबें और स्टेशनरी खरीदने के लिए चुनिंदा दुकानों को निर्धारित कर दिया जाता है। अभिभावकों का आरोप है कि इन दुकानों पर बाजार की तुलना में अधिक कीमत वसूली जाती है, जिससे आर्थिक बोझ और बढ़ जाता है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि स्कूलों की नियमित जांच और निगरानी जरूरी है ताकि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके। अभिभावकों ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से निजी स्कूलों की व्यवस्थाओं, फीस संरचना और सुरक्षा मानकों की सख्ती से जांच कराने की मांग की है।

कालभैरव मंदिर में दर्शनार्थियों को हो रही सबसे अधिक परेशानी, कई श्रद्धालु नहीं कर पा रहे दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालभैरव मंदिर में भारी भीड़ के कारण दर्शन करना मुश्किल हो रहा है। रात्रि में 7-8 बजे जो लोग लाईन में लगते है, उन्हें द्वार पर पहुँचने में यदि 10 बजे का समय हो जाता है तब गेट बंद हो जाते हैं और कोई पूर्व सूचना नहीं होती कि 10 बजे गेट बंद होंगे। मंदिर परिसर के बाहर 10 बजे गेट बंद होने की सूचना चस्पा की जाना चाहिए। कालभैरव मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इसके चलते दर्शन के लिए लंबी कतारें लग रही हैं और कई श्रद्धालुओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि शाम 7 से 8 बजे के बीच लाइन में लगने वाले कई श्रद्धालु रात 10 बजे तक मुख्य द्वार तक पहुंच पाते हैं, लेकिन निर्धारित समय पर गेट बंद होने के कारण उन्हें बिना दर्शन किए ही लौटना पड़ता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर के गेट रात 10 बजे बंद कर दिए जाते हैं, लेकिन इसकी स्पष्ट जानकारी कतार में लगे लोगों को नहीं दी जाती। कई श्रद्धालु यह मानकर लाइन में खड़े रहते हैं कि उन्हें दर्शन का अवसर मिल जाएगा, लेकिन द्वार बंद होने के बाद उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर के बाहर तथा कतार शुरू होने वाले स्थान पर गेट बंद होने के समय की स्पष्ट सूचना प्रदर्शित की जानी चाहिए। इससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकेगा और वे समय का ध्यान रखते हुए दर्शन की योजना बना सकेंगे।

मुनाफे के झांसा देकर युवक से ठगे 1.70 लाख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। टेलीग्राम पर 10 गुना मुनाफा मिलने का मैसेज मिलने पर युवक ने लालच में आकर 1.70 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन कर दिया। रुपए ट्रांसफर होते ही युवक को ब्लॉक कर दिया गया। अपने साथ धोखाधड़ी होने पर युवक ने सायबर हेल्प लाइन पर शिकायत दर्ज कराई। अब पुलिस द्वारा मामले की शिकायत दर्ज की गई है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने बताया कि बीती रात वेद नगर में रहने वाले नवदीप सिंह निंद्रा के साथ हुई 1 लाख 70 हजार रुपए की धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। नवदीप के साथ वर्ष 2024 में धोखाधड़ी हुई थी जिसकी शिकायत उसके द्वारा साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई गई थी। धोखाधड़ी की राशि को साइबर हेल्पलाइन के माध्यम से होल्ड कर दिया गया था लेकिन आरोपी का पता नहीं चल पाया। बताया जा रहा है कि नवदीप के व्हाट्सएप पर लिंक आई थी जिसे ओपन करने पर 10 गुना मुनाफा देने की जानकारी दी गई थी। नवदीप ने लालच में लिंक पर क्लिक किया उसे टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया गया। उसे कुछ टिप्स दिए गए जिसे पूरा करने के लिए रुपए भी मांगे गए। नवदीप ने रुपए देकर कुछ टिप्स पूरे किए जिसके बाद उसे मुनाफा दिखाया गया। लालच में फंसे नवदीप ने कुछ दिन में ही 1.70 लाख का ट्रांजैक्शन टेलीग्राम पर आए क्यूआर कोड के माध्यम से कर दिया। जिसके बाद उसे ग्रुप से बाहर कर दिया गया। अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बाद साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई। नानाखेड़ा थाना पुलिस के अनुसार ठगी की राशि को पहले ही होल्ड कर दिया गया था अब क्यूआर कोड के माध्यम से आरोपी का सुराग तलाशने की कोशिश की जा रही है।

हरिफाटक ब्रिज से नीलकंठ द्वार तक ई-रिक्शा की आवाजाही पर रोक

महाकाल मंदिर में भीड़ के दौरान लगने वाले जाम से राहत के लिए यातायात पुलिस ने आज से लागू की नई व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर क्षेत्र में बार-बार लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए यातायात पुलिस ने हरिफाटक ब्रिज से बेगमबाग होते हुए नीलकंठ द्वार तक ई-रिक्शा की आवाजाही पर रोक लगा दी है। यह नई व्यवस्था बुधवार से लागू कर दी गई है। यातायात पुलिस का कहना है कि इस मार्ग पर ई-रिक्शा की अधिक आवाजाही के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था, जिससे स्थानीय नागरिकों और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

यातायात डीएसपी दिलीप सिंह परिहार ने बताया कि विशेष रूप से शनिवार, रविवार और सोमवार को महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के अलावा आम दिनों में भी हरिफाटक ब्रिज और आसपास के क्षेत्र में बार-बार जाम की स्थिति बन जाती थी। इससे वाहन चालकों के साथ ही पैदल यात्रियों को भी आवागमन में दिक्कत होती थी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था लागू करने से पहले मंगलवार को ई-रिक्शा चालकों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जाम की समस्या और वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। चालकों की सहमति के बाद बुधवार से हरिफाटक ब्रिज, बेगमबाग और नीलकंठ द्वार मार्ग पर ई-रिक्शा के आवागमन पर रोक लागू कर दी गई। यातायात पुलिस के अनुसार नई व्यवस्था से महाकाल मंदिर क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

महिला यात्री का पर्स चोरी कर ट्रेन से कूदा बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल दर्शन के बाद वापस टेःन से लौट रहे परिवार की महिला का पर्स बदमाश ने चोरी किया और चलती ट्रेन से कूदकर भाग निकला। मामले में जीआरपी ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। महाराष्ट्र के ठाणे की रहने वाली संगीता पति सोहन वर्मा 42 साल परिवार के साथ 20 जून को महाकाल दर्शन करने उज्जैन आई थी। परिवार ने 2 दिनों तक देवदर्शन किये। उसके बाद वापस मुम्बई लौटने के लिये रेलवे स्टेशन पहुंचे और बांद्रा टर्मिनल्स स्पेशल ट्रेन में सवार हुये। प्लेटफार्म से ट्रेन के रफ्तार पकड़ते ही पहले से कोच में सवार बदमाश ने संगीता का पर्स चोरी किया और भागता हुआ ट्रेन से कूदकर भाग निकला। संगीता ने शोर भी मचाया लेकिन यात्री कुछ समझ पाते उससे पहले बदमाश भागने में सफल हो गया। संगीता की शिकायत पर जीआरपी ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जीआरपी सीसीटीवी कैमरों से बदमाश का पता लगाने के प्रयास कर रही है। बदमाश द्वारा चोरी किये गये पर्स में 20 हजार रूपये, चांदी के आभूषण और अन्य सामान रखा होना सामने आया है।

कार में भरी मिली देशी-विदेशी शराब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात्रि गश्त में कार तलाशी के दौरान उसमें भारी देशी विदेशी शराब पुलिस द्वारा बरामद कर चालक को हिरासत में लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा।

माधवनगर थाना पुलिस ने बताया कि रात 1.30 बजे पुलिस गश्त लगा रही थी उसी दौरान विक्रम नगर ब्रिज के नीचे कर क्रमांक एमपी 13 सीए 5215 दिखाई दी जिसे रोक कर चालक से पूछता शुरू की गई चालक का नाम अर्जुन पिता चंपालाल निवासी गणेश नगर नागझिरी सामने आया। पुलिस को देख वह आने जाने के बारे में का प्रयास करने लगा। जिसके चलते कार की तलाशी ली गई तो उसमें से तीन पेटी विदेशी शराब की व्हिस्की और देशी शराब के 150 क्वार्टर बरामद हो गए। पुलिस द्वारा कार को जप्त कर थाने लाया गया। मामले में आरोपी चालक के खिलाफ अवैध शराब परिवहन का मामला दर्ज किया गया। प्रधान आरक्षक चेतन जौहरी ने बताया कि बरामद शराब और कार की कीमत 2.12 लाख रुपए होना सामने आई है। विदित हो कि शहर में शराब प्रतिबंधित होने के बाद से अवैध मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस कार्रवाई के दौरान सबसे अधिक शराब इंदौर और देवास के रास्ते उज्जैन तक लाना सामने आ रहा है।

स्वस्थ्य पादप ही हमारे जीवन का आधार हैः डॉ हरीश व्यास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वस्थ्य पादप, हरित धरा और कलकल बहता पानी ही हमारे जीवन का आधार है। हरितिमा ही पृथ्वी का श्रृंगार है।

पौधे है तो हम है। उपरोक्त विचार शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में मनाए जा रहे पर्यावरण पखवाड़े के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य व पर्यावरणविद डॉ हरीश व्यास ने व्यक्त किए।

हरितिमा कार्यक्रम में वन विभाग उज्जैन से रेंज ऑफिसर सीमा सिंह तथा हृदेश भार्गव उपस्थित हुए। जिनके साथ महाविद्यालय के विद्यार्थियों की उपस्थिति में प्राचार्य डॉ हरीश व्यास, प्रशासनिक अधिकारी डॉ आर के तिवारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉक्टर प्रदीप लाखरे ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता की।

पर्यावरण सप्ताह के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर के के कुंभकार ने बताया कि महाविद्यालय परिसर में किए जा रहे पौधारोपण के अंतर्गत आज नीम के पौधे रोपे गए जिसमें विभिन्न प्रकार के औषधि एवं भारतीय पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण किया जा रहा है।

समस्त आगंतुक अतिथियों ने एक-एक पौधारोपण किया तथा महाविद्यालय के कृषि संकाय के विद्यार्थियों ने एक-एक पौधे को लगातार पानी देकर बड़ा करने की जिम्मेदारी भी ली। मध्य प्रदेश शासन के काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम पर्यावरण पखवाड़ा के रूप में मनाया गया।

सेफ क्लिक 2.0... साइबर सुरक्षा का संदेश लेकर सडक़ों पर उतरी उज्जैन पुलिस

सुबह पुलिस कंट्रोल रूम से निकली जागरूकता रैली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच लोगों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज बुधवार सुबह उज्जैन पुलिस द्वारा सेफ क्लिक अवेयरनेस रैली 2.0 का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ पुलिस प्रशासन के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर संभागायुक्त आशीष सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा के अलावा निगम सभापति कलावती यादव और अन्य जनप्रतिनिधि अतिथि के रूप में मौजूद रहे। रैली में जिसमें पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से शहरवासियों को साइबर ठगी, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल और ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के लिए जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने हाथों में बैनर और संदेश पट्टिकाएं लेकर लोगों को डिजिटल दुनिया में सतर्क रहने का संदेश दिया। रैली के दौरान सतर्क क्लिक, सुरक्षित जीवन तथा सोच-समझकर क्लिक करें, खुद भी सुरक्षित रहें और समाज को भी सुरक्षित रखें जैसे संदेश प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने, ओटीपी साझा करने या व्यक्तिगत जानकारी देने से बचना चाहिए। यदि किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जाए। उज्जैन पुलिस का कहना है कि सेफ क्लिक 2.0 अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि डिजिटल भारत की परिकल्पना को सुरक्षित और मजबूत बनाया जा सके। रैली यहां से आरंभ होकर फ्रीगंज क्षेत्र में विभिन्न स्थानों से गुजरी। इस दौरान लोगों से साइबर सुरक्षा को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानते हुए सतर्क रहने की अपील भी की गई।

50 साल पुराना दो मंजिला मकान ढहा, 12 वर्षीय बच्चे की मौत

हम्मालवाड़ी में हुआ हादसा, मलबे में दबे नाती और नानी को निकाला- महिला गंभीर घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवाजीगंज थाना क्षेत्र के हम्मालवाड़ी इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में 50 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में मलबे के नीचे दबने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई, जबकि उसकी नानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलते ही पुलिस, नगर निगम और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची तथा राहत कार्य शुरू किया गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक असरान (लगभग 12-15 वर्ष) अपनी नानी खुर्शीद बी के घर आया हुआ था। दोपहर में अचानक मकान का एक हिस्सा गिरा और देखते ही देखते पूरा भवन ढह गया। हादसे के समय घर में मौजूद असरान और उसकी नानी मलबे के नीचे दब गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया और प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को मलबे से बाहर निकाला। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने असरान को मृत घोषित कर दिया। वहीं खुर्शीद बी का उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मकान काफी पुराना और जर्जर था। प्रारंभिक जांच में हादसे की एक बड़ी वजह मकान के समीप चल रहा निर्माण कार्य और खुदाई को माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि खुदाई के कारण मकान की नींव कमजोर हो गई थी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था संभाली और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन द्वारा यह भी जांच की जा रही है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

जांच के बाद तय होगी जिम्मेदारी- प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि मकान गिरने के वास्तविक कारणों की जांच कराई जा रही है। यदि निर्माण कार्य या खुदाई में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हादसे ने पुराने और जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिप्रा के नवीन घाट से जोड़ने वाले एप्रोच रोड का पूरा प्लान तैयार करें- संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को नियमित निरीक्षण के तहत सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत त्रिवेणी श्री शनि मंदिर के सामने निर्माणाधीन नवीन घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

संभागायुक्त श्री सिंह ने सिंहस्थ के लिए निर्माणाधीन घाट से जोड़ने वाले मार्ग का पूरा प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। जिससे सिंहस्थ महापर्व के दौरान शिप्रा नदी पर आने वाले श्रद्धालु सुविधापूर्वक स्नान कर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप सिंहस्थ 2028 का आयोजन विश्व स्तरीय होना है। सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक स्नान कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर 29 किलोमीटर क्षेत्र में नवीन घाट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। सिंहस्थ के अंतर्गत प्रचलित कार्यों की स्थिति देखने के लिए बुधवार को संभागायुक्त श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत इंदौर रोड स्थित नवग्रह शनि मंदिर के सामने शक्करवासा में शिप्रा नदी पर निर्माणाधीन घाट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान शक्करवासा की ओर से घाट तक पहुंच मार्ग तैयार करने के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधापूर्वक स्नान कराने के लिए घाट तक बनने वाले पहुंच मार्गों की विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह व कलेक्टर श्री सिंह ने त्रिवेणी पुल के नीचे निर्माणाधीन पुलिया निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया। इस पुलिया के निर्माण होने से बारिश के मौसम में जल जमाव होने से मार्ग अवरुद्ध नहीं होगा। जिससे शक्करवासा की ओर जाने वाला मार्ग सुलभ रहेगा। इसके अलावा सिंहस्थ के दौरान भीड़ नियंत्रण की दृष्टि से शक्करवासा से देवास रोड हामूखेड़ी को जोड़ने वाले मार्ग के लिए भी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देश दिए गए।

मिठाइयों में चांदी वर्क का उपयोग नहीं करने की पहल उज्जैन से शुरू हो-कलेक्टर

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर द्वारा मिठाई विक्रेताओं से मिठाइयों में उपयोग किए जा रहे चांदी वर्क का इस्तेमाल न्यूनतम करते हुए इसे पूर्णतः शून्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि चांदी का वर्क नकली हो सकता है, जिसके कारण हानिकारक भी हो सकता है। संकल्प लें कि देश और प्रदेश में चांदी वर्क का उपयोग नहीं करने की पहल उज्जैन से हो। इस संबंध में मिठाई विक्रेताओं तथा कैटरिंग व्यवसायियों की बैठक करने एवं गुणवत्ता के संबंध में जागरूक करने के लिए निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कुमट भी मौजूद रहे।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल के कलेक्टर सभागार में आयोजित खाद्य सुरक्षा विभाग की जिला स्तरीय बैठक में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बसंत दत्त शर्मा द्वारा विभागीय कार्यों एवं उपलब्धियों के बारे में बताया गया। श्री शर्मा ने जानकारी दी कि विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि में रेग्यूलेटरी नमूने कुल लक्ष्य 420 के विरुद्ध 513 नमूने संग्रहित किए गए, जो कुल लक्ष्य का 122 प्रतिशत है। इसी प्रकार 1 अप्रैल 2026 से 20 जून 2026 की अवधि में लक्ष्य से अधिक कुल 90 रेग्यूलेटरी नमूने संग्रहित किए गए। वर्ष 2025-26 में एडीएम न्यायालय में 34 प्रकरण दायर किए गए एवं सीजेएम न्यायालय में 03 प्रकरण दायर किए गए।

फोटो एडिट कर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाले गिरफ्तार

बीएलओ ने साझा किया था दस्तावेज से फोटो

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबालिग के पासपोर्ट फोटो को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक अन्य युवती के फोटो के साथ एडिट कर अश्लील वीडियो बनाया और व्हाट्सएप के साथ अन्य सोशल मीडिया माध्यमों पर वायरल किया जा रहा है। नाबालिग के परिवार की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है वहीं बीएलओ को भी दस्तावेजों में से फोटो साझा करने का आरोपी बनाया है।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि 21 जून को नाबालिग और उसके परिवार द्वारा अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोटो एडिट कर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 79 बीएनएस एवं 67(ए) आईटी एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान फरियादी, फोटो प्रिंट करने वाले व्यक्ति एवं संबंधित बीएलओ के कथन लिए गए। जांच में बीएलओ फखरुनिशा उर्फ बेबी द्वारा एसआईआर फॉर्म में संलग्न पीड़िता का फोटो एहसान पटेल को व्हाट्सएप के माध्यम से भेजना स्वीकार किया गया।

इसके आधार पर बीएलओ के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन एवं पीड़िता का एसआईआर फॉर्म विधिवत जब्त किया गया। वही एहसान पटेल, आबिद पटेल एवं मुजफ्फर पटेल से पूछताछ की गई, जिन्होंने पीड़िता के फोटो को आपस में साझा कर उसका दुरुपयोग करना स्वीकार किया। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि मुजफ्फर पटेल द्वारा पीड़िता के फोटो को किसी अज्ञात युवती की तस्वीर के साथ एडिट कर आपत्तिजनक फोटो तैयार किया गया तथा उसे सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के कथन लेकर घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। विवेचना के दौरान प्रकरण में धारा 49 बीएनएस की वृद्धि की गई है। साथ ही 3 आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की डिजिटल फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है तथा प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

बारिश के दौरान निर्माण कार्यों में सुरक्षा का ध्यान रखें- कलेक्टर

विभागों के माध्यम से निर्माणाधीन छोटे कार्य जो पूर्णता की ओर उन्हे प्राथमिकता से पूर्ण कर लें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेने के बाद कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि बारिश के दौरान निर्माणाधीन कार्यों में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि विभागों के माध्यम से ऐसे छोटे कार्य जो पूर्णता की ओर है, कुछ कार्य शेष रहे है, उन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट भी मौजूद रहे।

सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन के कलेक्टर सभागार में बुधवार को कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में विभागीय कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग सेतू संभाग के माध्यम से जानकारी दी गई कि नागदा-खाचरोद मार्ग पर रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य में सभी स्लैब का कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार पंचक्रोशी आबूहाउ से कालियादेह गांव सड़क निर्माण व शिप्रा नदी के ऊपर सबमर्सिबल ब्रिज पहुंच मार्ग सहित और जिले के ग्राम सुरेल मंडावता मदगनी पीपलोदा बागला मार्ग और जिले के खंडवासुरा से भिडावद मार्ग पर चामला नदी पर जल मग्रीयपुल पहुंच मार्ग सहित निर्माण का कार्य प्रगति पर है। बडनगर तहसील के चंबल नदी पर ग्राम चिचोडिया में पहुंच मार्ग सहित जल मग्रीय पुल निर्माण कार्य में बोरिंग कार्य प्रगतिरत है। इसी तरह उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से निर्माणाधीन सीएम राईज स्कूल घट्टिया, झारडा और गीता भवन कार्य की जानकारी देते हुए बताया गया कि निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इसी तरह प्राधिकरण द्वारा देवासरोड़ से नगर विकास योजना क्रमांक 3,4,5 और 6 को जोडने के लिए आरओबी निर्माण कार्य में ब्रिज के 7 पियर के फाउंडेशन कार्य पूर्ण हो चुके है।